R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 22
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 30 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 एक दिवसीय वर्कशाप/सेमिनार एवं खरीफ तिलहन ... 5 विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व ... 7 सेलेना गोमेज ने 33 की उम्र में बेनी ब्लैंको संग ...

भगवान विष्णु और दुर्गा मां पर की बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी, पुलिस ने आरोपी भूपेंद्र सिखाया सबक

सतना **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के सतना जिले में सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह मामला सिंहपुर थाना क्षेत्र का है, जहां भूपेंद्र कुशवाहा ने इंस्टाग्राम पर मनुस्मृति, भगवान विष्णु और माता दुर्गा के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की थीं।

इन पोस्टों के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद

लोगों में आक्रोश फैल गया। शिकायतकर्ता अरविंद गर्ग की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया और कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। सिंहपुर थाना प्रभारी अजय अहिरवार ने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी काम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 299 के तहत मामला दर्ज किया है।

एमपी में रहस्यमयी बीमारी ने फैलाया खौफ!

अचानक किडनी फेल होने से हो रही बच्चों की मौत, आईसीएमआर भी हैरान

छिंदवाड़ा **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में रहस्यमयी बीमारी ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। दीघावानी निवासी 4 साल के विकास यदुवंशी की बीते शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, विकास को पिछले हफ्ते तेज बुखार हुआ था और उसकी किडनी में संक्रमण भी पाया गया। परिजनों ने उसे

नागपुर के अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के बावजूद उसकी जान नहीं बच पाई। इससे पहले इसी बीमारी के चलते जिले में तीन और बच्चों की मौत हो चुकी थी। बीमार बच्चों को शुरुआत में तेज बुखार और पेशाब रुकने की समस्या हुई। घटना के बाद दिल्ली से आईसीएमआर की टीम और भोपाल से स्वास्थ्य विभाग की टीम छिंदवाड़ा पहुंची और इलाके में घर-घर सर्वे कर पानी समेत कई सैंपल लिए। अब तक बीमारी का कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग ने सैंपल पुणे भेज दिए हैं, जिनकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। परिजनों का कहना है कि बच्चों की स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें निजी अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा और इसके चलते हालत और गंभीर हो गई। इस रहस्यमयी बीमारी ने इलाके में मातम और चिंता की स्थिति पैदा कर दी है।

शादी का वादा कर पुलिस कॉन्स्टेबल ने किया रेप, युवती बोली- न्याय नहीं मिला तो सुसा-इड कर लूगी

कवर्धा **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने जिले में पदस्थ आरक्षक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आक्रोशित होकर उसने आत्मदाह की चेतावनी दी है।

पीड़िता का आरोप है कि उसने पहले ही एसपी को लिखित शिकायत दी थी, जिसके आधार पर ट्रैफिक आरक्षक सतीश मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। युवती का कहना है कि पुलिस अपने ही कर्मचारी को बचाने में जुटी हुई है।

इस बीच पीड़िता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें उसने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए खुदकुशी के लिए मजबूर करने की बात कही। युवती सोमवार को न्याय की गुहार लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची और लिखित शिकायत सौंपी। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह एसपी कार्यालय के सामने आत्मदाह कर लेगी। मामले में कवर्धा एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि आरक्षक ने अपनी पहली पत्नी के रहते हुए दूसरी युवती से शादी की है। युवती का आरोप है कि उसे झांसा देकर शादी की गई। इस आधार पर मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है। वहीं, आरक्षक को निलंबित भी कर दिया गया है।

दिल्ली भाजपा की यात्रा में नया पड़ाव है पार्टी का नया प्रदेश कार्यालय, पीएम मोदी ने भव्य समारोह में किया उद्घाटन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली भाजपा ने अपने संगठनात्मक सफ़र में एक नया अध्याय जोड़ते हुए आज राष्ट्रीय राजधानी में अपने भव्य नए कार्यालय का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित इस भवन का लोकार्पण किया और इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को प्रेरक संदेश भी दिया। नवरात्र की सप्तमी के दिन हुए इस कार्यक्रम ने न केवल भाजपा की दिल्ली इकाई को नई ऊर्जा प्रदान की, बल्कि संगठनात्मक मजबूती का भी संकेत दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का हर कदम 'सेवा, संगठन और समर्पण' की भावना को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि नया कार्यालय केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि पार्टी के विचार और कार्यकर्ताओं की तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्रेरित करते हुए आह्वान किया कि इस भवन को जनता की सेवा और संगठनात्मक एकता का केंद्र बनाया जाए।

हम आपको बता दें कि इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्रीगण, सांसद, विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इसे 'ऐतिहासिक क्षण' बताते हुए कहा कि संगठन का यह सपना लंबे समय से अधूरा था, जो अब प्रधानमंत्री मोदी और नेतृत्व की दूरदृष्टि से साकार हुआ है। वीरेंद्र सचदेवा ने इस अवसर पर भाजपा की दिल्ली इकाई की यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का पहला कार्यालय अजमेरी गेट पर था, फिर रकाबगंज रोड पर स्थानांतरित हुआ और लगभग 35 वर्षों तक पंडित पंत मार्ग से संगठन संचालित होता रहा। अब यह यात्रा अपने नए मुकाम पर पहुँच गई है। उन्होंने कहा, 'संघर्ष और समर्पण से भरी यह यात्रा आज एक उल्लेखनीय अध्याय के रूप में दर्ज हो रही है।'

दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय की विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि यह 825 वर्ग मीटर भूखंड पर निर्मित 30, 000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में फैला है। पाँच

मंज़िला इस भवन में दो भूमिगत तल (बेसमेंट) बनाए गए हैं, जहाँ 50 वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। भवन के बाहरी हिस्से को दक्षिण भारतीय स्थापत्य शैली में गढ़ा गया है, जिसमें विशाल स्तंभ और आकर्षक मुखौटा इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।

भवन को पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। भूतल पर स्वागत कक्ष, प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल और कैंटीन हैं। प्रथम तल पर 300 लोगों की क्षमता वाला अत्याधुनिक सभागार बनाया गया है। द्वितीय और तृतीय तल पर संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठों, प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए कार्यालय कक्ष हैं। शीर्ष तल को प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री और दिल्ली के प्रभारी नेताओं के लिए आरक्षित रखा गया है। इसके अतिरिक्त सांसदों और वरिष्ठ नेताओं के लिए भी यहाँ विशेष कक्ष उपलब्ध कराए गए हैं। हम आपको बता दें कि करीब 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह भवन पुराने पंडित पंत मार्ग स्थित कार्यालय की तुलना में कहीं अधिक विशाल और आधुनिक है। नए कार्यालय का शिलान्यास 9 जून 2023 को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया था। हम आपको यह भी बता दें कि राजधानी के सभी 14 संगठनात्मक ज़िलों में अब भाजपा के अपने कार्यालय हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि भाजपा जमीनी स्तर पर अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रही है। अब नया प्रदेश कार्यालय इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। देखा जाये तो नवरात्र जैसे शुभ पर्व पर उद्घाटन से यह आयोजन न केवल धार्मिक-सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा रहा, बल्कि कार्यकर्ताओं के मनोबल को भी दोगुना कर गया। माना जा रहा है कि यह नया भवन दिल्ली भाजपा की बढ़ती ताक़त और जनता के बीच उसकी गहरी जड़ों का साक्षी बनेगा।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर पीके का सनसनीखेज आरोप

हत्या से बचने को सुप्रीम कोर्ट में बोला झूठ

पटना **(एजेंसी)**। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उच्चतम न्यायालय में नाबालिग होने का झूठा दावा करके दशकों पुराने हत्या के मामले में मुकदमे से बच निकले। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, किशोर ने कहा कि चौधरी द्वारा 2020 में राज्य विधान परिषद के लिए निर्वाचित होने के समय दायर किया गया हलफनामा, सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष उनके पहले के दावे के विपरीत है, और उन्होंने चौधरी को 'तत्काल बर्खास्त' करने की मांग की।

नीतीश कुमार सरकार में वित्त जैसे महत्वपूर्ण विभाग संभाल रहे पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चौधरी तुरंत टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। किशोर ने कहा, 'हम चौधरी की बर्खास्तगी के लिए दबाव बनाने हेतु कल राज्यपाल से मिलने का समय मांगेंगे। हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सहयोगी भाजपा से भी आग्रह करते हैं कि वे तुरंत कार्रवाई करें, अन्यथा जनता के सामने उनकी पोल खुल जाएगी।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चौधरी पर '1995 में मुंगेर जिले के अपने पैतृक स्थान तारापुर में छह लोगों की हत्या के मामले में मुकदमा चलाया गया था।'

जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने दावा किया, 'चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया कि जब सामूहिक हत्याकांड हुआ था, तब उसकी उम्र सिर्फ़ 14 साल थी। उसे इसलिए छोड़ दिया गया क्योंकि नाबालिगों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।' किशोर ने आरोप लगाया, 'अगर हम चौधरी के 2020 के हलफ़नामे को देखें, तो उन्होंने उस समय अपनी उम्र 51 साल बताई है। इसे ध्यान में रखते हुए, 1995 में उनकी उम्र 20 साल रही होगी। ये तथ्य उन्हें अभियोजन के लिए ज़िम्मेदार बनाते हैं।'

करूर भगदड़ की जांच करेगा एनडीए का 8 सदस्यीय दल, हेमा मालिनी बनीं संयोजक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एनडीए नेताओं का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तमिलनाडु के करूर में टीवीके पार्टी की रैली के दौरान हुई भगदड़ में हुई जानमाल की हानि की परिस्थितियों की जांच के लिए तमिलनाडु के करूर का दौरा करेगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है, जिसमें भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या और ब्रज लाल, अपराजिता सारंगी, रेखा शर्मा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के पुट्टा महेश कुमार शामिल हैं। भाजपा सांसद हेमा मालिनी इस समिति की संयोजक हैं।

शनिवार को हुई इस दुखद भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है, जिनमें 18 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि टीम प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेगी और जमीनी स्थिति का आकलन करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। नड्डा ने भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इससे पहले, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन और तमिलनाडु भाजपा प्रमुख नैनार नागेंथ्रन के साथ करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

केंद्रीय मंत्री ने करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का भी दौरा किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि करूर भगदड़ के मद्देनजर, राजनीतिक दलों और सार्वजनिक संगठनों को भविष्य में सार्वजनिक कार्यक्रमों को जिम्मेदारी से आयोजित करने के नियम बनाने चाहिए। उन्होंने करूर भगदड़ को 'एक ऐसी त्रासदी जो फिर कभी नहीं होनी चाहिए' बताया।

स्टालिन ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, 'करूर में जो हुआ वह एक बड़ी त्रासदी है; एक क्रूर त्रासदी! एक ऐसी त्रासदी जो पहले कभी नहीं हुई; एक ऐसी त्रासदी जो फिर कभी नहीं होनी चाहिए। जब मैं खुद अस्पताल गया था, तब जो दृश्य मैंने देखे थे, वे आज भी मेरी आँखों के सामने ताज़ा हैं। मैं अभी भी गहरे शोक और दुःख में हूँ।' उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें यह खबर मिली, उन्होंने ज़िला प्रशासन को तुरंत कार्रवाई के लिए भेजा और सभी आवश्यक आदेश जारी किए।

भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी का कांग्रेस पर जोरदार हमला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने आज सोमवार को भारतीय क्रिकेट टीम की दुबई में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान पर शानदार जीत की सराहना की और कहा कि यह एशिया कप में भारत की 9वीं विजय है। इस टूर्नामेंट में भारत ने लगातार तीन बार पाकिस्तान को हराकर जीत की हैट्रिक बनाई। भारतीय टीम ने इस एशिया कप में सभी मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया। इसके लिए निश्चित रूप से भारतीय क्रिकेट टीम, कप्तान सूर्यकुमार यादव और सभी साथी खिलाड़ी, कोच, सपोर्ट स्टाफ बधाई के पात्र हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हो या खेल का मैदान, निष्कर्ष एक ही है, भारत की शानदार जीत। परंतु दुख का विषय है और आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी या प्रियंका गांधी का अभी तक भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कोई बधाई संदेश नहीं आया। मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि खेलों को राजनीति से अलग रखिए। आपके मन में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के लिए जो भी खीज, ईर्ष्या, द्वेष या इनफिरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स हो, उसके कारण भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर कोई छाया मत डालिए।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि कांग्रेस की यूपीए सरकार में गृह मंत्री रहे पी. चिदंबरम का भी एक बयान आया है। पी. चिदंबरम ने कहा है कि 26/11 के हमले के बाद, जब वह गृहमंत्री बने, तो उनका विचार था कि पाकिस्तान पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन तत्कालीन पार्टी नेतृत्व ने उसकी अनुमति नहीं दी। अब इससे स्पष्ट हो जाता है कि पाकिस्तान के साथ डील करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के मन का रुझान क्या था। 26/11 हमले के मात्र 9 महीने बाद, मिस्र के शर्म-अल-शेख में जॉइंट डिक्लेरेशन में जिस तरह भारत को शर्मसार किया गया, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण था। दुख और आश्चर्यजनक बात यह है कि इस जॉइंट डिक्लेरेशन में बलूचिस्तान का भी उल्लेख किया गया। अर्थात एक प्रकार से वे उस झूठ को भी स्वीकार करने को तैयार हो गए थे। कांग्रेस द्वारा यह प्रचार किया गया कि मानो बलूचिस्तान में हमारा कोई इन्वॉल्वमेंट हो, जो पाकिस्तान ने भी फैलाया है।

इससे यह बहुत स्पष्ट हो जाता है कि चाहे जंग का मैदान हो, कूटनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग हमेशा पाकिस्तान का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तैयार रहते हैं। यहाँ तक कि यूनाइटेड अरब अमीरात जैसे मेजबान देश के साथ भारत के मधुर संबंध और व्यावसायिक रिश्तों के बावजूद, यदि भारत किसी कारणवश वहां न जाता और खटास उत्पन्न होती, तो इसके लिए भी वही लोग प्रयत्नशील रहते। भारतीय टीम की इस शानदार जीत पर कांग्रेस नेताओं के मुँह से एक शब्द तक नहीं निकला। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान के पक्ष में हर प्रकार के प्रोपेगेंडा में साथ देने को तैयार रहती है। यह चाहे इंटरनेशनल डिप्लोमेसी का विषय हो, तथाकथित भारत विरोधी प्रोपगंडा का मामला हो या खेल का मैदान हो।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय जितनी सुर्खियां कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों ने पाकिस्तानी मीडिया में बटोरी थीं और जो कुछ उन्होंने मुँह खोलकर कहा था, वह भारत और भारतीय सेना का मनोबल कम करने वाला था। जो लोग भारतीय सेना का मनोबल कम करने में जमीन आसमान एक कर रहे थे, वही आज भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए एक शब्द तक नहीं बोल रहे हैं। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि केवल गठबंधन का नाम इंडिया रख लेने से दिल में इंडिया नहीं आ जाता। इस घटना से बहुत साफ हो जाता है कि जिस गठबंधन का नाम इंडिया है, उसके दिल में अगर दर्द और मोहब्बत है, तो वह इंडिया के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के लिए है और अगर अदावत है, तो वह पाकिस्तान के लिए नहीं, बल्कि इंडिया के लिए है।

भव्य रूप से छठ पर्व मनाने के लिए यमुना के किनारे बनाए जाएंगे अस्थायी घाट : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार छठ पूजा के भव्य आयोजन के लिए यमुना नदी के दोनों किनारों पर अस्थायी घाट बनाने सहित व्यापक व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में छठ पूजा योजनाबद्ध तरीके से ऐतिहासिक होगी और पूर्वांचली लोगों को बिना किसी बाधा के त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, ''हमने यमुना के दोनों किनारों पर अस्थायी घाटों पर भव्य छठ पूजा की योजना बनाई है और सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।'' गुप्ता ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी और किसी भी तरफ से कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी में भव्य छठ पूजा होगी।

महामारी के दौरान यमुना तट पर छठ पूजा का आयोजन रोक दिया गया था। बाद में, अदालती आदेशों के कारण प्रतिबंध जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोग छठ पूजा करते हैं।

सूर्य की उपासना के इस महापर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यमुना नदी के तट पर पूजा करने संबंधी रोक के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में छठ पर्व के लिए दिल्ली सरकार ने उद्यानों और सार्वजनिक स्थानों पर सैकड़ों अस्थायी कुंड बनाए थे।

सोनाटा लेकर आए हैं अपना फेस्टिव कलेक्शन 2.0

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। त्योहारों का सीज़न आ गया है, इस बीच सोनाटा लेकर आए हैं अपना 'फेस्टिव कलेक्शन 2.0'- घड़ियां जो समय और परम्परा का जश्न मनाती हैं। उपहार देने की खुशियों को जीवंत करने वाली ये नई घड़ियां आधुनिक डिज़ाइन एवं त्योहारों की भव्यता का शानदार संयोजन हैं, जो खास पलों को यादगार बनाने के लिए बेहतरीन चुनाव हैं। पुरूषों के कलेक्शन में शामिल हर घड़ी समृद्ध डायल, बोल्ड केस शोप या सोनाटा के क्लासिक रोमन मार्कर्स एवं क्रोको-पैटर्न स्ट्रैप्स के साथ भव्यता का अहसास देती है। इस अवसर पर सोनाटा के प्रोडक्ट हैड निशांत मित्तल ने कहा, "फेस्टिव कलेक्शन 2.0, स्टाइल के साथ त्योहारों का जश्न मनाने के बारे में है। हम चाहते थे कि इस बार हर घड़ी खुशियों और गर्मजोशी की अभिव्यक्ति बन जाए- फिर चाहे आप इसे खुद पहनना चाहते हैं, उपहार में देना चाहते हैं, या बस त्योहारों का आनंद उठाना चाहते हैं। कलेक्शन की हर घड़ी को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि आपके खास पलों में हल्की सी चमक लाकर कभी न भूलने वाले यादें दे जाएगी।'

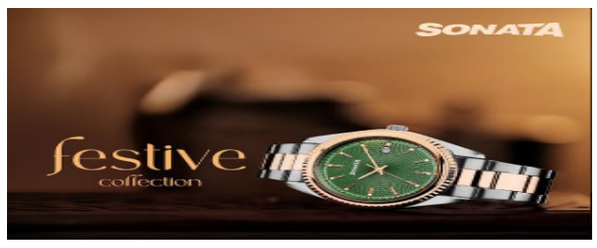

ऑल आउट ने पंडितपुर में तालाब सफाई अभियान से मच्छरों के प्रजनन पर लगाम लगाई

मंत्र भारत संवाददाता

पंडितपुर, वाराणसी। डेंगू के खलिफ़ अपनी लड़ाई को और मज़बूत करते हुए ऑल आउटने 'साथ लड़ेंगे डेंगू से' अभियान के तहत, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन(आईएमए), स्वास्थ्य विभागऔर गाँववासियों के सहयोग से वाराणसी के पंडितपुरगाँव मेंभरन बस्ती तालाब की सफ़ाई कराई। पंडितपुर के बड़े तालाबों में से एक, भरन बस्ती का तालाब, पहले समुदाय के उपयोग के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत हुआ करता था।लेकिन वर्षों से अनुचित कचरा प्रबंधन और काई जमने के कारण यह जलस्रोत दूषित होकर, बड़े पैमाने पर मच्छरों के प्रजनन का केंद्र बन गया।

इस तालाबसफ़ाई अभियान की शुरुआत ब्रिलॉन कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ रतनजीत दास और जिला मलेरिया अधिकारी, वाराणसी शरत चंद्र पांडेय द्वारा की गई। सफाई अभियान ने कचराऔर मलबा हटाने में मदद की है, जिससे तालाब को गांव के लिए एक स्वच्छ और साझा जल स्रोत के रूप में पुनः स्थापित किया गया है।

रतनजीत दास, एमडी एवं सीईओ, ब्रिलॉन कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. ने कहा, 'ऑल आउट और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने 'साथ लड़ेंगे डेंगू से' अभियानके अंतर्गत पंडितपुर के लोगों के साथ मिलकर डेंगू-मुक्त भविष्य की दिशा में काम किया है। भरन बस्ती तालाब की यह सफ़ाई हमारे साझे सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इतनी बड़ी संख्या में गाँववालोंका आगे आकर इस तालाब की सफाई में सहयोग देना वाकई प्रेरणादायक है।'

जिला मलेरिया अधिकारी, वाराणसी शरत चंद्र पांडेय ने कहा, 'यह संतोषजनक है कि पंडितपुर के निवासी बड़ी संख्या में भरन बस्ती तालाब की सफ़ाई में सहयोग के लिए आगे आए। यह तालाब लंबे समय से मच्छरों के प्रजनन का उच्च-जोखिम क्षेत्र रहा है और यह अभियानआसपास के इलाक़ों में डेंगू के मामलों को कम करने में मदद करेगा।

'साथ लड़ेंगे डेंगू से' जो कि – ऑल आउट का अभियान है जिसे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है – ने हमारी डेंगू रोकथाम की कोशिशों को बढ़ावा दिया है, साथ ही सहयोग को प्रोत्साहित किया है और आम जनता में जागरूकता बढ़ाई है। मुझे खुशी है कि यह अभियान लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर सीधा और सकारात्मक असर डाल रहा है, और उन्हें अधिक सुरक्षित, स्वस्थ और डेंगू-मुक्त समुदाय बनाने में मदद कर रहा है।'उन्होंने ये भी बताया कि पंडितपुर में किए गए प्रयास राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अनुरूप हैं, जो निगरानी, केस प्रबंधन और सामुदायिक जागरूकता पर केंद्रित है।

भरन बस्ती तालाब की इस बड़े स्तर की सफ़ाई से पंडितपुर के 2, 000 से अधिक निवासियों को फ़ायदा होगा। इस अभियान में 50 से ज़्यादा स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया और 87 टन कचरा हटाया। केवल तालाब ही नहीं, बल्कि उसके आसपास का क्षेत्र और रास्ता भी कचरे से मुक्त किया गया है, जिससे निवासियों के लिए आना-जाना आसान हो गया है। इस प्रयास से तालाब का पानी लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा, मच्छरों के पनपने पर रोक लगेगी और डेंगू जैसी मच्छर जनित बीमारियों का खतरा कम होगा।

वी बिज़नेस ने एडब्ल्यूएस और सी-डॉट से युक्त आईओटी इनोवेशन लैब के लॉन्च के साथ उद्यमों के रूपान्तरण को बनाया सशक्त

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। आज उद्योगों में इनोवेशन एवं स्फूर्ति की मांग पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, इसी के मद्देनज़र जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी की एंटरप्राइज़ शाखा वी बिज़नेस ने एमज़ॉन वेब सर्विसेज़ (एडब्ल्यूएस) और सेंटर फॉर डेवलमेन्ट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) के साथ मिलकर वी बिज़नेस आईओटी इनोवेशन लैब (द लैब) का लॉन्च किया है, जिसे कारोबारों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) उन्मुख इनोवेशन्स एवं को-क्रिएशन के हब के रूप में स्थापित किया गया है।

इस अवसर पर अरविंद नेवातिया, चीफ़ एंटरप्राइज़ बिज़नेस ऑफिसर, वोडाफोन आइडिया ने कहा, "एडब्ल्यूएस एवं सी-डॉट के सहयोग से वी बिज़नेस आईओटी इनोवेशन लैब के साथ हम स्टार्ट-अप्स एवं उद्यमों के लिए ऐसे सिस्टम का निर्माण कर रहे हैं जो भविष्य के अनुकूल समाधानों के डिज़ाइन में मददगार हो। हम एक साथ मिलकर भारत के आईओटी परिवेश में बदलाव लाना चाहते हैं, उद्यमों को इनोवेशन के नए अवसरों के साथ सशक्त बनाना चाहते हैं तथा भारत के डिजिटल विकास में योगदान देना चाहते हैं। उद्यम तेज़ी से एआई, 5 जी और आईओटी को अपना रहे हैं, ऐसे में उनकी आवश्यकता कनेक्टिविटी से बढ़कर है- उन्हें ऐसे भरोसेमंद पार्टनर की ज़रूरत है जो उन्हें बिज़नेस में बेहतर परिणाम दे। हम कारोबारों को उनका पैमाना बढ़ाने, तेज़ी से इनोवेट करने और आत्मविश्वास के साथ बदलाव लाने में सक्षम बनाना चाहते हैं।'

गोदरेज एग्रोवेट ने माय ग्रेसिया, माय प्राइड नाम से राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत की प्रमुख कृषि-व्यवसाय कंपनियों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने हाल ही में 'माय ग्रेसिया, माय प्राइड' नाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य फोकस स्वस्थ पौधों की भूमिका और कृषि समृद्धि में उनके महत्व को उजागर करना है। ग्रेसिया' का सही समय पर उपयोग कीट नियंत्रण में लंबे समय की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जिससे किसानों को बार-बार छिड़काव करने की ज़रूरत कम होती है और यह मिर्च, पत्ता गोभी, टमाटर, बैंगन व अन्य फसलों में इसकी वर्षा प्रतिरोधक क्षमता उत्कृष्ट है।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, राजवेलु एन.के, सीईओ, क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस, गोदरेज एग्रोवेट ने कहा, 'ग्रेसिया किसानों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह बाजार में उपलब्ध अन्य पारंपरिक विकल्पों से अधिक किफायती और प्रभावी है। यह कीटनाशक चबाने वाले कीटों और थ्रिप्स को तेज़ी से नियंत्रित करता है, जिससे किसानों को अपनी फसल की सुरक्षा के लिए रोज़ाना सबसे कम खर्च करना पड़ता है। हम किसानों से अनुरोध करते हैं कि वे असली ग्रेसिया उत्पाद की पहचान के लिए पैक पर दिया गया क्यूआर कोड ज़रूर स्कैन करें, साथ ही ऐसा करने पर वे कैशबैक भी जीत सकते हैं।'

टाटा कैपिटल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 6 अक्टूबर को खुलेगा

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। टाटा कैपिटल लिमिटेड ('टीसीएल' या 'कंपनी') इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के संबंध में बोली/प्रस्ताव सोमवार, 6 अक्टूबर, 2025 को खोलेगी। प्रस्ताव का मूल्य दायरा (प्राइसबैंड) 310 से ? 326 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोलियां न्यूनतम 46 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 46 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती हैं। यह आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 475, 824, 280 इक्विटी शेयरों तक ('कुल प्रस्ताव आकार') का है, जिसमें 210, 000, 000 इक्विटी शेयरों तक का नया निर्गम और 265, 824, 280 इक्विटी शेयरों तक का बिक्री प्रस्ताव शामिल है।

विक्रेता शेयरधारक टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड ('प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक') हैं, जो 230, 000, 000 इक्विटी शेयरों तक बेच रहे हैं, और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन ('निवेशक विक्रेता शेयरधारक') हैं, जो 35, 824, 280 इक्विटी शेयरों तक बेच रहे हैं।

एंकर निवेशक बोली की तिथि शुक्रवार, 3 अक्टूबर, 2025 होगी, और बोली/प्रस्ताव बुधवार, 8 अक्टूबर, 2025 को बंद हो जाएगा। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी की भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने टियर-द पूंजी आधारको बढ़ाने के लिए प्रस्तावित करती है, जिसमें आगे ऋण देना शामिल है

बालक-बालिकाओं को शिक्षा के महत्व एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति किया गया जागरूक

कौशाम्बी। बाल कल्याण समिति द्वारा विकास खण्ड मंझनपुर की ग्राम रसूलपुर सोनी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम के दौरान बालक-बालिकाओं को शिक्षा के महत्व एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। समिति के अध्यक्ष कमलेश चन्द्र एवं सदस्यगण-विंदेश्वरी प्रसाद, कृष्ण दत्त द्विवेदी व बेबीनाज ने बच्चों को बताया कि शिक्षा उनके उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है तथा प्रत्येक बालक/बालिका को शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अधिकार है। बाल विवाह जैसी कुप्रथा से होने वाले शारीरिक, मानसिक व सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में भी बालक-बालिकाओं को जागरूक किया गया और उन्हें यह संदेश दिया गया कि वे स्वयं तथा अपने परिवार को इसके प्रति सचेत करें। उन्होंने बालक-बालिकाओं से बाल विवाह के विरुद्ध आवाज उठाने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने तथा अपने सपनों को पूरा करने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया गया।

महिलाओं को महिला परक योजनाओं, यातायात नियमों एवं हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया गया

कौशाम्बी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल ने आज मिशन शक्ति अभियान के तहत् महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला परक योजनाओं के प्रति जागरूक किया और उन्हें योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों का अनुपालन करने की भी अपील की।

ज्ञात हो कि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने महिलाओं की सुरक्षा एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति अथवा समस्या आने पर महिला हेल्पलाइन 181, वुमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 एवं एंबुलेंस सेवा 108 का उपयोग कर तुरंत सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

मुंबई से लौटे युवक का फंदे से लटकता मिला शव

कौशाम्बी। पिपरी कोतवाली के गिरिया खालसा गांव में रविवार शाम मुंबई से लौटे युवक का फंदे से लटकता शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के वक्त घर में कोई नहीं था।

ज्ञात हो कि गिरिया खालसा गांव निवासी छोटू (20) पुत्र मोहनलाल मुंबई में काम करता था। रविवार सुबह ही वह मुंबई से घर लौटा था। शाम को घर में फंदे पर लटकता शव मिला। परिजनों ने शव फंदे पर लटकता देखा, तो उनके होश उड़ गए। र चीख पुकार सुनकर मौके पर जुटे ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। मामले में पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर मामले की जांच कर कार्रवाई की।

उ0प्र0 विधान परिषद के वाराणसी खण्ड स्नातक/ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र विषयक बैठक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उ0प्र0 विधान परिषद के वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से के संबंध में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। 30 सितम्बर, 2025 से 06 नवम्बर 2025 तक समस्त विकास खण्ड कार्यालय, नगर पंचायत ज्ञानपुर एवं नगर पालिका गोपीगंज पर स्नातक एवं शिक्षक को फार्म-18 व फार्म-19 प्राप्त किये जायेंगे। जिसमें समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं तहसीलदार ज्ञानपुर पदाविहित अधिकारी बनाये गये है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य का कार्यकाल 07 दिसम्बर, 2026 तक है। विधिक प्राविधान के अनुसार जिस वर्ष खण्ड स्नातक/ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचन होना है निर्वाचक नामावली निर्वाचन वर्ष के पूर्ववर्ती वर्ष में तैयारी करायी जाती है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 27 (6) यह विनिर्दिष्ट करती है कि अर्हता की तारीख उस वर्ष के नवम्बर के पहले दिन की तारीख होगी, जिसमें निर्वाचक नामावली की तैयारी या पुनरीक्षण कार्य किया जायेगा।

वाराणसी खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों को भागवार तैयार करायी जाती हैं, परन्तु मतदेय स्थलों का प्रस्ताव आयोग के अनुमोदनार्थ निर्वाचन की घोषणा के पश्चात प्रेषित किया जाता है। इस कारण यह परम्परा रही है कि गत् निर्वाचन में जहां मतदेय स्थल स्थापित किया गया होता है उन्ही मतदेय स्थलों का चयन वर्तमान पुनरीक्षण के दौरान भी कर लिया जाता है, परन्तु गत् 06 वर्षों में जनसंख्या व अन्य आधारभूत सुविधाओं में वृद्धि के कारण कतिपय मतदेय स्थलों में परिवर्तन की आवश्यक होता है अथवा नये मतदेय स्थल बनाये जाने की आवश्यकता होती है।

आयोग के मानक के अनुसार यह भी ध्यान देना है कि मतदान हेतु किसी भी मतदाता को 16 कि0मी0 से अधिक की दूरी न तय करना पड़े। मतदेय स्थलों का चयन इस प्रकार किया जाए कि मतदाताओं को कम से कम दूरी तय करनी पड़े एवं वहां ए0एम0एफ0 संबंधी व्यवस्थाएं परिपूर्ण हों।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन से संबंधित इस जनपद में कुल मतदेय स्थलों की संख्या-15 (खण्ड स्नातक में-10 एवं खण्ड शिक्षक में 05) है, जिसका विवरण निम्नवत् है-वाराणसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मतदेय स्थलों का विवरण-

मतदान केन्द्र का स्थान- अभोली 47, सुरियावां 48, भदोही 49, भदोही 50, औराई 51, औराई 52, ज्ञानुपर 53, डीघ व गोपीगंज 55, गोपीगंज, मतदेय स्थल की संख्या व नाम-क्षेत्र पंचायत कार्यालय अभोली, क्षेत्र पंचायत कार्यालय सुरियावां, क्षेत्र पंचायत कार्यालय भदोही, क्षेत्र पंचायत कार्यालय भदोही, क्षेत्र पंचायत कार्यालय औराई, क्षेत्र पंचायत कार्यालय औराई, तहसील कार्यालय ज्ञानुपर, क्षेत्र पंचायत कार्यालय डीघ, नगर पालिका परिषद कार्यालय गोपीगंज, नगर पालिका परिषद कार्यालय गोपीगंज, मतदान का क्षेत्र-क्षेत्र पंचायत अभोली, क्षेत्र पंचायत एवं नगर पंचायत सुरियावां, क्षेत्र पंचायत भदोही, नगर पंचायत नई बाजार एवं नगर पालिका परिषद भदोही, क्षेत्र पंचायत भदोही, नगर पंचायत नई बाजार एवं नगर पालिका परिषद भदोही, क्षेत्र पंचायत औराई, नगर पंचायत घोसिया एवं खमरिया, क्षेत्र पंचायत औराई, नगर पंचायत घोसिया एवं खमरिया, नगर पंचायत ज्ञानपुर, क्षेत्र पंचायत डीघ, क्षेत्र पंचायत ज्ञानपुर एवं नगर पालिका परिषद गोपीगंज, क्षेत्र पंचायत ज्ञानपुर एवं नगर पालिका परिषद गोपीगंज, वाराणसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मतदेय स्थलों का विवरणः-मतदान केन्द्र का स्थान, सुरियावां 22, क्षेत्र पंचायत कार्यालय सुरियावां भदोही, क्षेत्र पंचायत कार्यालय भदोही 23, क्षेत्र पंचायत कार्यालय औराई 24, क्षेत्र पंचायत कार्यालय डीघ 25, नगर पालिका परिषद कार्यालय गोपीगंज 26 है।

पशु चिकित्साधिकारियों ने दी महिलाओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत पशु चिकित्साधिकारियों द्वारा जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में महिलाओं को सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन एवं सशक्तीकरण के विषय में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया।

ज्ञात हो कि पशु चिकित्साधिकारियों ने महिलाओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं सूकर पालन जैसी आजीविका आधारित गतिविधियाँ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक हैं। इसके साथ ही के.सी.सी. (किसान क्रेडिट कार्ड) योजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिससे महिलाएँ आत्मनिर्भर बनकर परिवार की आर्थिक मजबूती में योगदान दे सकती हैं।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सामुदायिक शौचालयों में कार्यरत केयर टेकरों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले में स्वच्छता को बढ़ावा देने और सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वच्छता ही जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत जनपद भदोही के सभी छः विकास खंडों में स्थित सामुदायिक शौचालयों में कार्यरत केयर टेकरों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर आयोजित इस स्वास्थ्य परीक्षण अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रत्येक विकास खंड में पहुंचकर केयर टेकरों की जांच की। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, हीमोग्लोबिन, वजन, आंखों की जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। इसके साथ ही उन्हें सफाई कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों की जानकारी भी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि सामुदायिक शौचालयों में प्रतिदिन काम करने वाले केयर टेकर सफाई व्यवस्था की रीढ़ हैं। ऐसे में उनका स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें नियमित स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और किसी भी प्रकार की बीमारी का समय रहते उपचार हो सके।

कार्यक्रम के दौरान केयर टेकरों को स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता सामग्री भी वितरित की गई और उन्हें संक्रमण से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इस मौके पर ग्रामीणों को भी स्वच्छता बनाए रखने और सामुदायिक शौचालयों का सही ढंग से उपयोग करने का संदेश दिया गया।

गौकशी करने वाले आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़, आरोपी गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में रविवार की देर शाम गौकशी करने वाले आरोपी और चरवा थाना पुलिस के साथ गूंगवा की बाग में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस टीम पर आरोपी ने फायर कर दिया,पुलिस की फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया,घायल होने के बाद पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया,आरोपी की पहचान भंवर सिंह यादव के रूप में हुई है,आरोपी के साथी अभी भी फरार है,पुलिस ने घायल आरोपी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

ज्ञात हो कि मामला चरवा थाना क्षेत्र का है जूहा शनिवार की रात गौकशी किए जाने का एक मामला सामने आया था, ग्रामीणों ने ड्रोन कैमरे की मदद से आरोपियों को जंगल में गौकशी करते हुए देखा, तो हड़कंप मच गया था,वहां उन्होंने तीन व्यक्तियों को गौकशी करते हुए देखा था।जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दे दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने रात में ही गौमांस को जेसीबी की सहायता से गड्ढा खोदकर दबवा दिया था। हालांकि, आरोपी मौके से भागने में सफल रहे थे। पुलिस ने जांच में गौकशी करवाने वाले मुख्य आरोपी की पहचान कर ली थी। जिसके साथ दो अन्य साथी शामिल थे।

घटना की सूचना पाकर विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अवधेश नारायण शुक्ल ने गौकशी पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि नवरात्रि जैसे पवित्र समय में गौकशी हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, हिंदू संगठन शांत नहीं बैठेंगे।इस घटना से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। ग्रामीण प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। घटना के बाद क्षेत्र में भारी मात्रा में पुलिस और पीएसी तैनात कर दी गई है।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सेवानन्द पाठक पुत्र गोविन्द प्रसाद पाठक निवासी ग्राम मैरा पाल का पूरा परगना व तहसील बारा जिला प्रयागराज घोषणा करता हूँ कि मेरे तीन पुत्र हैं जिसमें दूसरे पुत्र विशाल पाठक पुत्र सेवानन्द पाठक उम्र लगभग 23 वर्ष है, जिसका आचरण गलत है तथा पारिवारिक मान सम्मन को ध्यान नहीं दिया जा रहा। जिसके कारण मैं अपने दूसरे पुत्र विशाल पाठक को अपने सम्पूर्ण दीगर चल-अचल जायदाद से बेदखल कर रहा हूँ, इसके सम्पूर्ण कृत्य से मेरा व परिवार का कोई लेना-देना नहीं रहेगा व स्वयं जिम्मेदार होगा।

सेवानन्द पाठक
पुत्र गोविन्द प्रसाद पाठक
निवासी ग्राम मैरा पाल का पूरा
परगना व तहसील बारा
जिला प्रयागराज

एक दिवसीय वर्कशाप/सेमिनार एवं खरीफ तिलहन मेला कार्यक्रम का किया गया आयोजन

तिलहन के बारे में नयी तकनीक एवं खेती करने की विधि की जानकारी प्राप्त कृषक प्राप्त कर सकते हैं अच्छा उत्पादन-मुख्य विकास अधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन के सरस सभागार में एक दिवसीय वर्कशाप/सेमिनार एवं खरीफ तिलहन मेला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा पुष्पगुच्छ देकर मुख्य विकास अधिकारी महोदया का स्वागत किया गया, जिसमें जिला कृषि अधिकारी प्रयागराज, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, प्रयागराज, भूमि संरक्षण अधिकारी प्रयागराज, सहायक निदेशक (मृदा परीक्षण/कल्चर) क्षेत्रीय भूमि परीक्षण प्रयोगशाला प्रयागराज, डा0 मदन सिंह, डा0 विक्रम सिंह शुआट्स निदेशालय, नैनीसमेत कृषि विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी, तथा जनपद के कृषक भाईयों एवं बहनों द्वारा प्रतिभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रीती त्रिपाठी द्वारा किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी महोदया, प्रयागराज द्वारा बताया गया कि कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर मेला/गोष्ठियां के माध्यम से कृषकों के साथ आयोजन कराते रहते हैं। कृषक भाईयों से अपील की तिलहन की खेती के बारे में नयी जानकारी लेते रहे। आज इस तिलहन गोष्ठी के माध्यम से तिलहन के बारे में नयी तकनीक एवं खेती करने की विधि की जानकारी प्राप्त कर अपना अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

उप कृषि निदेशक प्रयागराज द्वारा बताया गया कि कृषि विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे पी0एम0 कि0, तिलहन योजना एवं अन्या योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।जानकारी के साथ-साथ कृषकों को आने वाली समस्याओं जैसे तिलहन, ई0के0वाई0सी0, लैण्ड, सीडिंग जैसे भू-अंकन के समाधान हेतु अवगत कराया गया।कृषकों को आत्म निर्भर बनाने हेतु विभाग द्वारा प्रगतिशील कृषकों का प्रशिक्षण सतत् कराया जा रहा है जिससे प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने क्षेत्र में हर किसान तक उन्नतिशील खेती करने हेतु जागरुता फैलाया जा रहा है।

अजय कुमार, उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं के बारे में चर्चा की गयी। अजय कुमार द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, ड्रिप सिंचाई, एकीकृत बागवानी जैसी योजनाओं में डैड्रगन फ्रूड्स की खेती पर सब्सिडी दिये जाने के बारे में कृषकों को जानकारी दी गयी।

डा0 विक्रम सिंह, वैज्ञानिक सुआट्स द्वारा तिलहन फसल उत्पादन बढ़ाने के तकनीकी पहलू के बारे में जानकारी दी गयी। सरसों की फसल का मुख्य कीट माहू होता है। अगेती सरसों की फसल में माहू कीट का प्रकोप कम होता है। तापमान बढ़ने के कारण सरसों की पिछेती फसल पर माहू कीट का प्रकोप ज्यादा होता है। 1 मिलीलीटर नीम के तेल को 1 लीटर पानी में मिलाकर कीट से प्रभावित पौधों पर छिड़काव करने से माहू पर नियत्रंण कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

डा0 मदनसेन वैज्ञानिक शुआट्स विश्वविद्यालय नैनी, प्रयागराज द्वारा कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के बारे में विस्तार से कृषकों को बताया गया फन्जीसाइड, इनसेक्टी साइड एवं राइजोबियम कल्चर कोअपनाकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। फसल चक्र अपनाकर मृदा की उर्वरता शक्ति को बरकरार रखा जा सकता है जिससे अनावश्यक कीटनाशक की आवश्यकता नहीं पड़ती है, 10 ली0 पानी में 200 ग्राम राइजोबियम कल्चर, पी0एस0बी0 कल्चर एवं गुड़ के सीरे में प्रयोग करने से मृदा की उर्वरता बढ़ती है साथ ही खेतों की निराई मजदूरों से करानी चाहिए जिससे एक बार में ही खेतों से खरपतवार समाप्त हो जाते हैं। यदि आवश्क हो तो तिलहन में खरपतवार की रोकथाम के लिये पेंडामिथलीन का प्रयोग किया जा सकता है। कृषि से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतुकृषि वैज्ञानिकों द्वारा अपने दूरभाष नम्बर साझा किया गया जिससे कृषक दूरभाष पर अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकते हैं।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी, प्रयागराज द्वारा उप कृषि निदेशक की अनुमति से वृक्षकों, अधिकारियों, मीडिया सेल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गयी।

सशक्त नारी परिवार की खुशहाली का आधार होती हैःनाज़िया सुल्ताना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज।समाज में सशक्त नारी परिवार, देश और समाज की खुशहाली का आधार होती है।मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को सरकारी योजनाओं, सरकारी सेवाओं, सरकारी सहायता और उनके अधिकारों के विषय में बताया जा रहा है।मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और सहायता सुनिश्चित करना है। उपरोक्त बातें उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज में विद्यालय की मिशन शक्ति की नोडल शिक्षिका नाज़िया सुल्ताना ने बालिकाओं को उनके अधिकारों और शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए कही।विद्यालय की बालिकाओं ने मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कुरीतियों पर प्रहार किया। बच्चों ने बाल विवाह, दहेज, लैंगिक असमानता, हिंसा अशिक्षा पर नाटक के माध्यम से जागरूकता संदेश दिया।आज की थीम पर विद्यालय के शिक्षक सुनील कुमार शुक्ल ने बच्चों को सरकारी योजनाओं कन्या सुमंगला, बालिका मदद योजना, बाल एवं महिला कल्याण आदि के विषय में जानकारी प्रदान किया और अपने घर के अभिभावकों को भी अवगत कराने के लिए कहा।

कुपोषण, स्वास्थ्य, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चियों के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु जागरूकता कार्यक्रम का जिला पंचायत सभागार में किया गया आयोजन

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां महिलाओं, शिशुओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य का कुशलतापूर्वक, मेहनत व लगन के साथ करें देखभाल-जिलाधिकारी

आज के बच्चे कल का भविष्य है इनके स्वास्थ्य की अच्छी देखभाल हमारी मुख्य जिम्मेदारी - मुख्य विकास अधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की उपस्थिति में सोमवार को जिला पंचायत सभागार में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर आधारित मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग के एकीकृत बाल विकास योजना के तहत कुपोषण, स्वास्थ्य, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चियों के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा 05 बच्चों का अन्नप्राशन, 11 कन्याओं का कन्यापूजन, 05 महिलाओं की गोदभराई, 51 बालिकाओं को आयरन की गोलियां दी गयी। कार्यक्रम में सीडीपीओ संजिता सिंह, वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक नीलेशा यादव सहित उत्कृष्ट कार्य करने वाली 21 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा सोहर गीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वास्थ्य की देखभाल हेतु जागरूक भी किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मिशन शक्ति अभियान 5.0 उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य, सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। मिशन शक्ति अभियान कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को अपने छोटे बच्चों एवं गभर्वती महिलाओं के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान दिए जाने के लिए कहा। कहा कि यदि छोटे बच्चों का प्रारम्भिक विकास स्वास्थ्य का ध्यान न दिए जाने के कारण बाधित हो जाता है, तो बच्चों का बाद में पूर्ण रूप से शारीरिक, मानसिक विकास नहीं हो पाता है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अपने कार्य को कुशलतापूर्वक मेहनत व लगन के साथ करनें के लिए कहा, क्योंकि उनके ऊपर महिलाओं, शिशुओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी होती है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान-5.0 कार्यक्रम का उद्देश्य आपको सशक्त और जानकार बनाना है। उन्होंने कहा कि आईसीडीएस के द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल में बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इस विभाग की प्रमुख आवश्कता गर्भवती महिलाओं एवं छोटे बच्चों को होती है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का सोसायटी बनाने, बच्चों को ह्रस्ट-पुस्ट बनाने में एवं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल करना महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि आप सभी यदि कोई महिला गर्भवती है, तो जानकारी होते ही उसकी आवश्यक चिकित्सीय जांचे एवं गर्भावस्था में चिकित्सक के पास 4 विजिट अवश्य कराये जाने के लिए प्रेरित करें, जिससे उसे बाद में आने वाली समस्याओं से बचाया जा सके।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आज के बच्चे ही कल के भविष्य है और इनकी देखभाल की जिम्मेदारी आप सबकी है। इसलिए बेटे और बेटी में कोई भी भेदभाव न करें और बच्चियों की पढ़ाई-लिखाई और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि बच्चियों में इनिमिया का विशेष ध्यान देते हुए उन्हें हरी सब्जियां ज्यादा खिलाये, जिससे हमारी बच्चियां स्वस्थ रहे और एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी व मुख्य सेविकाओ सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन ने अनुरागिनी सिंह द्वारा किया गया।

कमांडेंट जितेंद्र कुमार ओझा के निर्देशन में चला स्वच्छता अभियान, बच्चों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। स्वच्छ भारत अभियान के तहत चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में सोमवार को डी/91 वाहिनी आरएएफ की टीम ने प्राथमिक विद्यालय हरिरामपुर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान विद्यालय परिसर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। बच्चों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता का महत्व समझाते हुए उन्हें साफ-सफाई के प्रति जागरूक भी किया गया।इस अभियान का संचालन आरएएफ 91 बटालियन के कमांडेंट जितेंद्र कुमार ओझा के कुशल निर्देशन में हुआ। नेतृत्व में उप कमांडेंट प्रमोद सिरसत, सहायक कमांडेंट विवेक कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट महेंद्र कुमार भारती, निरीक्षक अमित कुमार दुबे और निरीक्षक इम्तियाज अली समेत कंपनी के अधिकारी व जवानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।अभियान के दौरान विद्यालय की शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अधिकारियों ने बच्चों को स्वच्छता का संकल्प दिलाते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवनशैली है, जिसे अपनाकर हम बीमारियों से दूर रह सकते हैं और अपने समाज को स्वस्थ एवं खुशहाल बना सकते हैं। उप कमांडेंट प्रमोद कुमार ने कहा की स्वच्छता सिर्फ सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर हर नागरिक अपने घर और आस-पास के क्षेत्र को साफ रखे तो पूरा देश स्वच्छ और सुंदर बन सकता है।बच्चों ने भी आरएएफ जवानों के साथ मिलकर विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की और भविष्य में स्वच्छता बनाए रखने का वचन दिया। कार्यक्रम के अंत में आरएएफ अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण और गंदगी से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी।

मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन, प्रमाण पत्र पाकर खिले चेहरे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) प्रयागराज में तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज गरिमामय समापन हुआ।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि अशोक कुमार यादव, प्राचार्य/कोर्स निदेशक, कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन (एऊं) प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती अश्वनी जोहरी, उप-प्राचार्य, एऊं प्रयागराज रहीं। कार्यक्रम का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह के निर्देशन एवं जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) विकास पांडे के संयोजन में सम्पन्न हुआ।

वरिष्ठ प्रवक्ता (डायट) डॉ. राजेश कुमार पांडे ने कहा -

'आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां दिव्यांग बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण उन्हें और अधिक संवेदनशील एवं दक्ष बनाएंगे।'

जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) विकास पांडे ने कहा -

'इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि प्रशिक्षुओं को दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना है। यदि आंगनबाड़ी स्तर पर ही सही दृष्टिकोण और सहयोग मिले, तो हर बच्चा समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकता है। यही इस प्रशिक्षण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।' मुख्य अतिथि अशोक कुमार यादव ने समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए और शुभकामनाएं देते हुए कहा -

'समावेशी शिक्षा तभी सार्थक होगी जब हम प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाएँ और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ें।'

तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण (27 से 29 सितम्बर 2025) में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षुओं के चेहरों पर प्रमाण पत्र और सीख का संतोष झलक रहा था।

ट्रांसफार्मर जला, चार दिन से उपभोक्ता अंधेरे में

थरवई। पंडिला पुराना हवाई पट्टी स्थित राम जानकी मंदिर परिसर एवं गणेश धाम कॉलोनी में लगा 25 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर चार दिन पूर्व ओवरलोड के चलते जल गया। इसके चलते पूरी बस्ती अंधेरे में डूबी हुई है।

स्थानीय निवासी प्रवीण सिंह, विनय मिश्रा, विजय पाल, बीके शर्मा, पुरषोत्तम त्रिपाठी, सोनू मुखिया, असलम सहित कई लोगों ने बताया कि लगातार चार दिन से बिजली आपूर्ति ठप है। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग अंधेरे में रहने को विवश हैं। वहीं जलापूर्ति पर भी असर पड़ा है।लोगों का कहना है कि कई बार विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया, है जे ई थरवई ने बताया कि ट्रांसफार्मर जलने की जानकारी मुझे नहीं है पता करके जले हुए ट्रांसफार्मर को शीघ्र बदलवा दिया जाएगा।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट समन्वय) का आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट में दौरा

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट रायबरेली में दिनांक-29.09.2025 को रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट समन्वय) शैलेंद्र सिहं एवं महानिदेशक इरिमी अनिमेश कुमार सिन्हा ने दौरा किया। शैलेंद्र ने कोच एवं फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन के संबंध में आरेडिका के तथा उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होने आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के द्वार्रा किये गये रिकॉर्ड उत्पादन के लिए बधाई दी।

कार्यकारी निदेशक ने शेलशॉप, बोगीशॉप, व्हीलशॉप एवं फर्निशिंगशॉप आदि का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान कोचों की वेल्डिंग की गुणवत्ता, साइडवाल, लेजर कटिंग मशीन, कोच रूफ वेल्डिंग, आदि को बारीकी से समझा तथा मशीनों की कार्य दक्षता का अवलोकन किया और इन मशीनों पर कार्यरत कर्मचारियों से मशीन की कार्यप्रणाली के संबंध में बातचीत की। उन्होने ने फिनिशिंग शॉप के दौरे के दौरान सामान्य यात्रियों के सफर के लिए बनने वाले दीन दयालु, स्लीपर कोचों को देखा।

आगे इसी क्रम में फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट का दौरा किया फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन को बढाने एवं प्लाण्ट की अवसंरचना के विकास के संबंध में उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श किया।

मीटिंग में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने वैश्विक परिदय को ध्यान में रखते हुए आरेडिका को आगे कोच निर्माण करने पर जोर दिया, साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय रेल अपने उत्पादों को विश्व बाजार में भी उतारने के लिए तैयार है तथा आप लोग आने वाले समय में मेट्रो के कोचों के साथ साथ विभिन्न गेज के कोच बनाने के लिए प्रयास करें।

इस अवसर पर आरेडिका के पीसीएमई विवेक खरे, पीसीएमएम राकेश राज पुरोहित, पीसीईई मनोज जिंदल, मुख्य प्रशॉसनिक अधिकारी फोर्ज्ड व्हील प्लांट रवीश कुमार, पीसीई सत्य प्रकाश यादव, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी अकमल वदूद, पीसीपीओ रूपेश श्रीवास्तव, पीसीएमओ आभा जैन, सहित एमसीएफ एवं फोर्ज्ड व्हील प्लांट के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

थरवई के प्राचीन मां दुर्गा मंदिर में उमड़ा जनसैलाब

दुर्गा जागरण में राधा-कृष्ण की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। ग्राम जगदीशपुर पूरे चंदा स्थित प्राचीन मां दुर्गा मंदिर में नवरात्र पर इस वर्ष भी परंपरागत ढंग से दुर्गा जागरण का आयोजन किया जा रहा है। बीते आठ वर्षों से लगातार हो रहे इस आयोजन ने अब क्षेत्र में धार्मिक परंपरा का स्वरूप ले लिया है।हर शाम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। भव्य पंडाल, रंग-बिरंगी रोशनियां और सजे-धजे मंच पूरे वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। रात आठ बजे से देर रात तक चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। खासकर राधा-कृष्ण की झांकी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भक्तों ने माता रानी के जयकारों के बीच पूजा-अर्चना की। घंटे-घड़ियाल और भजनों की गूंज से पूरा मंदिर प्रांगण गूंजायमान रहा। आयोजन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।आयोजक सज्जन द्विवेदी ने बताया कि विगत आठ वर्षों से दुर्गा जागरण का आयोजन किया जा रहा है, जो अब गांव-क्षेत्र की पहचान बन चुका है। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि मां दुर्गा की कृपा से गांव और क्षेत्र में सुख-शांति तथा समृद्धि बनी रहती है।

सम्पादकीय

लद्दाख में हुए आंदोलन के मुद्दे हैं पुराने फिर भी नहीं हो रही सुनवाई, युवाओं के बीच रोजगार का बड़ा संकट

लद्दाख के लेह में जिस तरह के हालात पैदा हुए, उसके बाद केंद्र सरकार शांति कायम करने के लिए सभी स्तरों पर कार्रवाई कर रही है। मगर इसके साथ कुछ सवाल भी उठे हैं कि आखिर वहां के लोगों के सामने ऐसी स्थिति क्यों आई कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर लेह में आंदोलन पर उतरना पड़ा। उसी दौरान किन्हीं कारणों से वहां जमा लोगों ने अपना धीरज खो दिया और व्यापक अराजकता का माहौल बन गया, तो उसे संभालने के लिए सरकार की ओर से कार्रवाई को एक हद तक जरूरी माना जा सकता है।

मगर क्या इस पर भी विचार करने की जरूरत नहीं है कि लेह में आंदोलनकारियों की मांगों की पृष्ठभूमि क्या है और उसे पूरा किया जाना क्यों तथा किस हद तक जरूरी है? गौरतलब है कि पिछले हफ्ते लेह में आंदोलन के दौरान लोगों के अराजक हो जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की जान चली गई और हिंसा में कई लोग बुरी तरह घायल हो गए। फिर वहां के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करके लद्दाख से बाहर भेज दिया गया।

इस कार्रवाई को लद्दाख में फिर अराजकता या किसी साजिश की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम के तौर पर देखा जा रहा है। मगर सवाल है कि अगर इस आंदोलन की पृष्ठभूमि पिछले कई वर्षों से बन रही थी, तो उसे समय रहते संबोधित करना और किसी ऐसे हल का खाका तैयार करना सरकार को जरूरी क्यों नहीं लगा, जिसमें सभी पक्षों की सहमति हो। लेह में आंदोलन कर रहे लोगों की मुख्य मांगें वही थी, जिसके लिए कई वर्ष पहले उनसे वादा किया गया था।

केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा देने की मांग के साथ शुरू हुए आंदोलन के मुद्दे नए नहीं थे। मगर लगातार इस मसले पर टालमटोल और वहां के संबंधित पक्षों से ठोस बातचीत को लेकर सरकार की उदासीनता ने एक ऐसी पृष्ठभूमि बनाई कि उसमें स्थानीय युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी शामिल हो गए।

जाहिर है, एक ऐसी स्थिति बन रही थी, जिसमें आंदोलनकारियों के बीच मौजूद कुछ अवांछित तत्त्वों के अराजक हो जाने की आशंका थी। मगर न तो संवाद को प्राथमिकता देकर हल खोजने की कोशिश की गई और न ही स्थानीय आबादी को विश्वास में लिया गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन के समांतर व्यापक हिंसा हुई, मगर वहां के खुफिया तंत्र को शायद इसकी भनक नहीं लगी। जबकि चीन की सीमा के पास स्थित होने की वजह से लद्दाख को बेहद संवेदनशील इलाके के तौर पर देखा जाता है और वहां की हर संभावित परिस्थिति का आकलन करके जरूरी कदम उठाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

स्थानीय तकाजों के मुताबिक उठे मुद्दों की बहुस्तरीय अनदेखी और उसके प्रति उदासीनता का नतीजा यह हुआ कि पर्यटन को आकर्षित करने और शांतिपूर्ण जीवन तथा संस्कृति की पहचान वाले उस इलाके में हुए आंदोलन के बीच अराजकता और हिंसा ने भी अपने पांव फैला लिए। अब लेह के प्रदर्शनकारियों को लेकर कई तरह की आशंकाएं और संदेह जताए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि अब तक इस संबंध में सरकार ने जांच करने की जरूरत शायद नहीं समझी थी। अब भी अगर सरकार स्थानीय आबादी की मुख्य मांगों के संदर्भ में ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए, तो किसी भी साजिश को अंजाम देना संभव नहीं हो सकता!

कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से कौशल के स्तर पर नए रोजगार पैदा होने की बढ़ेंगी संभावनाएं

वैश्विक स्तर पर तकनीकी विकास में भारत भी साथ-साथ कदमताल कर रहा है। घोषणा हो गई है कि हमारा देश एक डिजिटल राष्ट्र बन गया है। इंटरनेट ताकत में हमने कई पश्चिमी देशों को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं, पिछले कुछ वर्षों में हम दुनिया के अग्रणी देशों की तर्ज पर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' यानी कृत्रिम मेधा के विकास का भी दावा कर रहे हैं। कृत्रिम मेधा आज के यंत्र युग में शोध और नवोन्मेष का परिणाम है, इसलिए हम इसे यंत्र मेधा भी कह सकते हैं। स्पष्ट है कि इसके व्यापक इस्तेमाल के लिए देश में काम करने के ढांचे में बदलाव करना पड़ेगा। साथ ही युवा पीढ़ी के पास डिजिटल और इंटरनेट का ज्ञान होना भी जरूरी है। इसके अलावा, कृत्रिम मेधा से प्राप्त ज्ञान के विस्तार को हमें अपने नियंत्रण में रखना होगा।

हालांकि, कृत्रिम मेधा से जुड़े वैज्ञानिक इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि इसकी असीम शक्ति कहीं इंसानी दिमाग से आगे न निकल जाए और नकारात्मक मूल्यों का सृजन करके कहीं पूरी दुनिया की प्रगति को किसी और रास्ते पर न भटका दे। मगर, इस आशंका के मद्देनजर कृत्रिम मेधा को सिरे से नकारा नहीं जा सकता। भारत आबादी के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा देश है और यहां कार्य योग्य युवा पीढ़ी में श्रम शक्ति का बाहुल्य है। इसलिए रोबोटिक कृत्रिम मेधा का मानव श्रम शक्ति पर असर पड़ सकता है।

मगर विकास के जिस आयाम तक कृत्रिम मेधा जा सकती है, वह साधारण जमा खर्च के हिसाब से परे हो जाता है। इसलिए कृत्रिम मेधा और रोबोटिक शक्तियां एक ऐसी नई सच्चाई हैं, जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। भारत में भी कृत्रिम मेधा के उपयोग को डिजिटल और इंटरनेट शक्तियों के विकास के सहारे आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

भारत के नीति आयोग ने हाल में कृत्रिम मेधा और इंटरनेट शक्ति की संभावनाओं को लेकर एक नई रपट जारी की है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि अगले एक दशक में उत्पादन, निवेश और कृषि विकास के क्षेत्र में अगर हम कृत्रिम मेधा का उचित इस्तेमाल करें, तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में 500 से 600 अरब डालर की बढ़ोतरी हो सकती है। नीति आयोग का मत है कि आने वाले दशक में अगर औद्योगिक क्षेत्र के भीतर कृत्रिम मेधा का व्यापक उपयोग होता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में 1, 726 लाख करोड़ डालर तक का महत्त्वपूर्ण योगदान हो सकता है। अगर कृत्रिम मेधा को प्रौद्योगिकी, विज्ञान, इंजीनियरिंग और गणित के कार्यबल का सहयोगी बना दिया जाए, तो भारत में एक मजबूत और महत्त्वपूर्ण विकासात्मक बदलाव आ सकता है। हम वैश्विक कृत्रिम मेधा मूल्य का दस से पंद्रह फीसद तक हासिल करने में सक्षम होंगे।

कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से कौशल के स्तर पर तो नए रोजगार पैदा होने की संभावनाएं बढ़ेंगी, लेकिन नीति आयोग की रपट में भी स्वीकार किया गया है कि मौजूदा रोजगार के ढांचे में निचले स्तर के अकुशल कर्मी असंबद्ध हो सकते हैं। वहीं, वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र में कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल खासा उपयोगी साबित हो सकता है। इन क्षेत्रों में सकल घरेलू उत्पाद बीस से पच्चीस फीसद तक बढ़ सकता है। भारत, रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे प्रसंस्कृत रूप में यूरोपीय और तीसरी दुनिया के देशों को बेच रहा है। इसका लाभ हमारी पेट्रोलियम कंपनियों को मिल रहा है। इस प्रकार अगर हम अपनी विनिर्माण प्रक्रिया को कृत्रिम मेधा से जोड़ दें, तो देश की विकास दर को गति देना मुश्किल नहीं होगा। हालांकि, इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है।

इस समय अगर औसत निकालें तो भारत की विकास दर 5.7 फीसद के करीब है। भले ही हम इसे दुनिया की सबसे तेज विकास दर कहते हों, लेकिन अगले दस वर्षों में जीडीपी को बढ़ाने के लिए हमें विकास दर को और ऊंचाई देनी होगी। अगर कृत्रिम मेधा का उचित इस्तेमाल हो जाए तो आठ फीसद विकास दर को हासिल करना आसान हो जाएगा। यही गति बनी रहे तो वर्ष 2047 में आजादी के शतकीय महोत्सव तक भारत के विकसित देश बनने के लक्ष्य को हासिल करने में भी कोई मुश्किल नहीं होगी। यह भी हो सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका और चीन को पीछे छोड़ दे।

नीति आयोग ने भले ही कृत्रिम मेधा की संभावनाओं की बहुत उज्ज्वल तस्वीर पेश की है, लेकिन इसके रास्ते में कई अवरोध भी मौजूद हैं। सबसे बड़ा अवरोध तो देश के युवाओं को इस ज्ञान क्षेत्र की उचित शिक्षा-दीक्षा के अभाव का है। इसके लिए नई सुगम पुस्तकें तैयार करनी पड़ेंगी। नए पाठ्यक्रम बनाने पड़ेंगे और शिक्षकों को भी इस ज्ञान से पारंगत करना होगा, ताकि वे भावी पीढ़ी को इसके लिए आसानी से तैयार कर सकें। लेकिन अभी देश के शिक्षा जगत की जो सर्वेक्षण रपट हमारे पास है, वह यही कहती है कि प्रायः औसत युवा छात्र आज भी कला संकायों और विज्ञान संकायों की डिग्रियों के पीछे ही भागते हैं। आज भी वे नौकरीपेशा और स्थायी मध्यवर्गीय रोजगार पाने की मानसिकता से ग्रस्त हैं तथा कृत्रिम मेधा से प्राप्त हो सकने वाले असीम ज्ञान में पारंगत होने के लिए उत्सुक नजर नहीं आते हैं। उन्हें तो आसान शिक्षा एवं डिग्री चाहिए और ऐसा कार्य चाहिए, जो रूटीन का दफ्तरी काम हो और जो मेधा को चुनौती न दे।

जहां तक कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल का संबंध है, तो इसके लिए नकारात्मक विचार रखने वाले लोग ही ज्यादातर आगे आते हैं। जो रोजमर्रा की खबरों से लेकर चुनाव अभियानों को भी 'डीपफेक' बना देते हैं। तकनीक के इस दौर में कुछ लोग कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल को दूसरों के लिए नकारात्मक दृष्टि से प्रस्तुत करते हैं। भले ही वे इस तकनीक के किसी पहलू को अपने हितों के लिए उचित मानते हों और उसके उपयोग से लाभ भी अर्जित कर रहे हों, लेकिन प्रचार इस तरह से करेंगे कि भविष्य में कृत्रिम मेधा एक बहुत बड़ा खतरा बन जाएगा। ऐसे में यह न हो कि आम आदमी यही सोचता रहे कि नई तकनीक की ताकत कुछ लोगों की बंधक बन गई है।

हालांकि, कृत्रिम मेधा से जुड़े खतरे की संभावनाओं को लेकर सरकार भी सतर्क है, लेकिन उसका कहना है कि इस तरह की आशंकाओं से डरकर इसके विकास को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। मगर इसके दुरुपयोग को रोकने के उपाय जरूरी हैं। इसके लिए देश को सजग रहना पड़ेगा और जहां भी जरूरी हो, वहां सख्ती बरतनी होगी। वैसे भी तकनीक को खारिज करना या खत्म करना समस्या का हल नहीं है, जरूरत इस बात की है कि आधुनिक तकनीक को विकास से जोड़ा जाए और इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसमें दोराय नहीं कि कृत्रिम मेधा आज विकास प्रक्रिया का एक हिस्सा बन गई है और इसके सदुपयोग और महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता। मगर, इसके इस्तेमाल में एहतियात बरतना भी जरूरी है।

रिश्तों को संभालने के लिए केवल भावनाओं से नहीं समझदारी भी है आवश्यक, रिश्तों में प्रेम के नाम पर निजता में नहीं होनी चाहिए दखलअंदाजी

जीवन में हर चीज का एक संतुलित रूप ही सही होता है। अति किसी भी बात की हो, चाहे वह प्रेम हो, क्रोध हो, भोजन हो या मौन, वह जीवन के लिए हानिकारक साबित होती है। ठीक इसी प्रकार, रिश्तों में भी एक संतुलन बहुत जरूरी है। न तो किसी रिश्ते में आवश्यकता से अधिक घुल जाना ठीक होता है, और न ही पूरी तरह उदासीन होकर जीना। आजकल समाज में हमें दो तरह के रिश्ते देखने को मिलते हैं। एक तरफ ऐसे रिश्ते हैं जहां लोग एक-दूसरे के जीवन में इस कदर दखल देने लगते हैं कि व्यक्ति को अपने ही जीवन पर नियंत्रण नहीं रहता। दूसरी तरफ कुछ रिश्ते इतने ढीले और लापरवाह हो जाते हैं कि उनमें न कोई संवाद बचता है, न परवाह।

इस प्रकार के रिश्तों में प्रेम के नाम पर एक-दूसरे की निजता में इतनी अधिक दखलअंदाजी होती है कि व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत पहचान ही खोने लगता है। 'किससे बात कर रहे हो?' 'क्यों देर से जवाब दिया' 'फोन क्यों बिजी था?' और यहां तक कि पूरी गतिविधि पर नजर रखना शुरू हो जाता है। सवाल यह उठता है कि क्या यह वास्तव में प्रेम है? ऐसे रिश्तों में इंसान का व्यक्तिगत विकास रुक जाता है। वह स्वयं के लिए सोचना तक छोड़ देता है, क्योंकि उसकी ऊर्जा लगातार अपने साथी को समझाने, साबित करने और भरोसा दिलाने में खर्च होती रहती है।

जितना यह उसके साथी के लिए हानिकारक है, उतना ही यह उसके अपने लिए भी विनाशकारी है। धीरे-धीरे यह रिश्ता 'प्रेम' से 'संदेह' की ओर बढ़ने लगता है। और जहां संदेह है, वहां प्रेम का वास संभव नहीं रह जाता। सोशल मीडिया के पासवर्ड लेना, फोन की जांच करना, साथी की हर गतिविधि पर नजर रखना- यह सब दर्शाता है कि रिश्ते में विश्वास की कमी है। जब किसी इंसान को उसकी निजी जगह से वंचित किया जाता है, तो वह भीतर से घुटने लगता है। और यही घुटन प्रेम को धीरे-धीरे खत्म कर देती है।

दूसरी तरफ ऐसे रिश्ते भी होते हैं जिनमें दो लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके बीच संवेदनाएं और जुड़ाव लगभग समाप्त हो चुका होता है। एक-दूसरे के जीवन में क्या चल रहा है, इसकी कोई चिंता नहीं होती। एक-दूसरे की तकलीफें भी अनदेखी रह जाती हैं। ऐसे रिश्ते भावनात्मक रूप से सूखे और खाली हो जाते हैं। रिश्ते केवल शारीरिक या सामाजिक साथ से नहीं चलते। उनमें भावना, संवाद और सहयोग भी उतना ही जरूरी है। जब वह सब नदारद हो जाए, तब रिश्ता बस एक औपचारिक बंधन बनकर रह जाता है, जिसमें न कोई मिठास होती है और न कोई ऊर्जा।

रिश्तों को समझने के लिए सबसे सुंदर उदाहरण हमें प्रकृति से मिलता है पौधों का। हम सभी जानते हैं कि कोई भी पौधा तभी हरा-भरा और जीवित रह सकता है, जब उसे नियमित पानी मिले और धूप मिलती रहे। अगर हम उसे जरूरत से ज्यादा पानी दें, तो उसकी जड़ें सड़ जाती हैं। अगर पानी देना ही भूल जाएं, तो वह सूख जाता है। ठीक यही नियम रिश्तों पर भी लागू होता है। रिश्ते भी पौधों की तरह होते हैं। उन्हें देखभाल चाहिए। बातचीत, परवाह, नजदीकी और स्वतंत्रता सबका संतुलित मिश्रण। अच्छा रिश्ता वही होता है, जिसमें न किसी पर बंधन हो और न ही उपेक्षा। जहां एक-दूसरे की व्यक्तिगत जिंदगी का सम्मान हो और भावनाओं की कद्र भी।

एक-दूसरे से जुड़े रहना, लेकिन घुटन न देना, बल्कि सहज रहना और सहजता का अहसास देना। संवाद करना, लेकिन हर बात पर सवाल न उठाना। परवाह करना, लेकिन नियंत्रण की हद तक नहीं। साथ रहना, लेकिन स्वतंत्रता के साथ। सच्चा रिश्ता वह होता है, जिसमें दोनों व्यक्ति एक-दूसरे की जरूरत बनें, लेकिन जंजीर नहीं। जहां भरोसा इतना मजबूत हो कि हर पल की जानकारी देने की आवश्यकता न हो। और प्रेम इतना गहरा हो कि एक-दूसरे की खुशी में सच्चा उत्साह मिले। रिश्ते कोई बोझ नहीं होते, वे जीवन की ऊर्जा होते हैं। मगर जब वे अति में बदल जाएं, चाहे वह दखल की हो या लापरवाही की, तब वे जिंदगी को बोझिल बना देते हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखा जाए। यह याद रखने की जरूरत है कि रिश्ते भी पौधों जैसे होते हैं। उन्हें रोज थोड़ा-थोड़ा प्यार चाहिए, न ज्यादा, न कम।

रिश्तों को संभालना केवल भावनाओं से नहीं होता, इसके लिए समझदारी भी आवश्यक है। किसी भी संबंध की नींव संवाद पर टिकी होती है। अगर रिश्ते में चुप्पी छा जाए या फिर हर बात पर अत्यधिक सवाल-जवाब होने लगे, तो वह धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। विश्वास को आधार बनाना जरूरी है, क्योंकि लगातार नियंत्रण करने की प्रवृत्ति रिश्ते में खटास भर देती है, जबकि भरोसा उसे गहराई देता है। साथ ही, स्वतंत्रता का सम्मान करना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। साथी को अपने निर्णयों और पसंद का अधिकार देना संबंध को स्वस्थ बनाए रखता है। रिश्ते केवल दिखावे पर नहीं टिकते, बल्कि साथ बिताए छोटे-छोटे पलों की कद्र करने से मजबूत होते हैं। साझा हंसी, हल्की-फुल्की बातें और एक-दूसरे की चिंताओं में भागीदारी ही वह पोषण है, जो रिश्तों की जड़ों को मजबूती प्रदान करता है।

रिश्तों में संतुलन ही जीवन की असली खूबसूरती है। संतुलित रिश्ता ही इंसान को सुकून, ऊर्जा और आत्मविश्वास देता है। अगर प्रेम के साथ विश्वास, संवाद और स्वतंत्रता का मेल हो, तो रिश्ते जीवन की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं, लेकिन अगर उनमें अति या उपेक्षा आ जाए, तो वही रिश्ते घुटन और बोझ में बदल जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने संबंधों में न अति का मार्ग अपनाएं, न उपेक्षा का, बल्कि बीच का रास्ता चुनें- संतुलन का, संवेदनाओं का और परस्पर सम्मान का।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर

गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग- इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है।

आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत कृतिम अंग एवं सहायक उपकरण का किया गया वितरण

दिव्यांगजनों के सहायता के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार है प्रतिबद्ध-अनिरूद्ध त्रिपाठी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के तत्वाधान में आयोजित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण का वितरण का कार्यक्रम विकास भवन परिसर में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष दीपक कुमार मिश्र, सांसद प्रतिनिधि संजय बिन्द, विधायक औराई के प्रतिनिधि अमर दीप भाष्कर एवं संयोजक नरेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल की उपस्थिति में वितरण किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल निर्देशन में पूरे देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके अर्न्तगत समस्त विभागों द्वारा शासन द्वारा निर्धारित योजनाओं का लाभ आम जनता को सुलभ कराया जा रहा है और इसी सेवा पखवाडा के अर्न्तगत दिव्यांगजनों को कुल 125 ट्राइसाईकिल, 34 व्हील

चेयर, 19 स्मार्ट केन 05 मोटराज्ड ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया है। जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा द्वारा दिव्यांगजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पहले लाभ कागज पर मिलता था, परन्तु वर्तमान समय में जब से वर्तमान सरकार आयी है तब से विभागों की लाभार्थीपरक योजनायें एवं अन्य कार्यक्रमों की जियो टैगिंग हो रही है और आनलाइन हो रहा है अब कही भी भ्रष्टाचार की शिकायत नही है।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांगजन विभाग द्वारा दिव्यांग एवं कुष्ठावस्था पेंशन, कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना, दुकान निर्माण/संचालन योजना, दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना, मोटराइज्ड ट्राइसाईकिल योजना आदि संचालित है। जिसके तहत आज आप लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी शत्रुधन कन्नौजिया, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी शशिकान्त, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय कुमार मिश्रा व कार्यक्रम का संचालन डा0 सरोज कुमार पाण्डेय, विजय कुमार सिंह, संयुक्त रूप से किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्यामल कुमार, गांगुली वरिष्ठ सहायक, तनवीर तथा बब्लू कुमार गुप्ता व 20 पीआरडी जवानों द्वारा सहयोग किया गया। अन्त में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिनेश कुमार त्रिपाठी द्वारा जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान का मुख्यमंत्री ने वीसी में किया आरम्भ

समस्त नगरीय निकायों के चेयरमैन व सभासदों सहित जनमानस से विकसित उत्तर प्रदेश 2047 हेतु सुझाव हेतु मुख्यमंत्री ने किया अपील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्यमंत्री द्वारा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान के सम्बन्ध में नगर निगमों के महापौर एवं पार्षदों, नगर पालिका व नगर पंचायतों के अध्यक्षों व सदस्यों के साथ वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एनआईसी सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य की उपस्थिति में तथा समस्त सातों नगरीय निकाय कार्यलयों में अध्यक्षों व सदस्यों व अधिशासी अधिकारियों द्वारा देखा व सुना गया।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने की पहल की गई है जिस हेतु 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान का आरम्भ किया गया है। इस अभियान में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से प्रदेश का विकास हितु एक विजन डॉक्यूमेंट का निर्माण किया जाएगा।

इस संकल्प की प्राप्ति हेतु प्रदेश की आकांक्षाओं के अनुरूप एक समय रणनीति तैयार की जानी है, जिसमें विभिन्न हित धारकों जैसे कृषक, युवा, महिलाए, श्रमिक, शिक्षाविद, उद्यमी व्यापारी, प्रबुद्ध वर्ग, मीडिया आदि की आकांक्षाओं को सम्मिलित किया जाएगा। इस हेतु एक पोर्टल विकसित कर आम जनमानस के सुझावों को प्राप्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के समस्त नगर निगमों के महापौर एवं पार्षदों, नगर पालिका व नगर पंचायतों के अध्यक्षों व सदस्यों को पृथक-पृथक पत्र प्रेषित कर उनसे इस संकल्प को एक विराट जन आन्दोलन का रूप देने हेतु जन-

जन को जोड़ने का आवाहन किया गया है। मुख्यमंत्री के पत्र के साथ उक्त समस्त सम्मानित जनप्रतिनिधियों को नियोजन विभाग द्वारा मुद्रित कराई गयी "विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश" की पुस्तिका तथा लीफनेट वितरण हेतु जनपदों को उपलब्ध कराई गयी थी। विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश की पुस्तिका कार्यक्रम से पूर्व सभी अध्यक्षों व सदस्यों को प्राप्त करा दी गयी थी। जिलाधिकारी द्वारा उक्त कार्यक्रम के समन्वय हेतु जिला स्तर पर अपर जिलाधिकारी को नामित किया गया है। वीसी के सजीव प्रसारण को सुनने व देखने के बाद मुख्यमंत्री की प्रेरणा से उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने क्यूआर कोड स्कैन कर विकसित उत्तर प्रदेश 2047 विषयक अपने सुझाव को पोर्टल पर अपलोड कर प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया।

बिरनई मे हिन्दू मुस्लिम के सहयोग से होता हैं दुर्गा पूजा

बीते 10 वर्षों से गांव के युवा पेश कर रहे मिशाल

मंत्र भारत संवाददाता

जंगीगंज। कालीन नगरी अपनी कालीन के ताने बाने के लिए जाना जाता हैं और कालीन के ताने बाने के तरह यहां हिन्दू और मुस्लिम भी एक साथ प्रेम और सौहार्द के साथ रहते हैं। जो पुरे देश के लिए मिशाल हैं। भदोही जनपद के कई हिन्दू परिवार हैं ताजिया बनाते हैं और तमाम त्योहारों पर शामिल होकर भाईचारा की अनूठी मिशाल पेश करते हैं। वहीं कई मुस्लिम परिवार भी हैं जो बड़े आस्था और भक्ति के साथ हिन्दू पर्व पर अपने कार्यों से एक संदेश देते हैं।

एक ऐसा ही मामला इस समय मे काफ़ी चर्चा मे हैं जहां शारदीय नवरात्र मे गोपीगंज क्षेत्र के बिरनई गांव मे दुर्गा पूजन का आयोजन किया गया है जहां गांव के हिन्दू युवाओं के साथ साथ मुस्लिम युवा भी दुर्गा पूजा को सकुशल सम्पन्न कराने मे जुटे हैं।बिरनई मे आयोजित होने वाले दुर्गा पूजनोत्सव मे बीते दश वर्षों से गांव के युवा अपने कार्यों से मिशाल पेश कर रहे हैं। बिरनई गांव के युवाओं के कार्यों से जहां हिन्दू मुस्लिम एकता और भाईचारे की मिशाल पेश हो रही हैं वहीं समाज को बाटने की मंशा रखने वालों के मंशुबो पर पानी फिर गया हैं। कमलेश उपाध्याय, जितेंद्र उपाध्याय, कमलेश उपाध्याय, जितेंद्र उपाध्याय, अभिषेक उपाध्याय, किशन, विपिन, रिशु, डंगर अली, शरीफ, मौलवी, जब्बार, नीतीश और गौरव उपाध्याय समेत भारी संख्या मौजूद रहे।

कानूनों के प्रति जागरूकता तथा महिलाओं के विधिक अधिकार व लैंगिक समानता हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश के कुशल मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही के द्वारा सुबह 11:30 बजे से पी0एम0 श्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय ज्ञानपुर भदोही में लैंगिक समानता हेतु प्रावधानों का प्रचार-प्रसार एवं महिलाओं / बालिकाओं की सुरक्षा एवं कल्याण से सम्बन्धित कानूनों के प्रति जागरूकता तथा महिलाओं / बालिकाओं के विधिक अधिकार व लैंगिक समानता, महिला स्वच्छता एवं सेनेटरी नैपकिन से सम्बन्धित जागरूकता के विषय पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही श्रीमती तरूणिमा पाण्डेय, महिला रोग विशेषज्ञ डा0 निलिमा धवन, रेशमा भारती, महिला कल्याण विभाग, इकरमुद्दीन सिद्दीकी, प्रधानाचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल श्री संदीप दुबे, रागिनी तिवारी एडवोकेट, साथ-साथ अन्य प्रतिभागीगण उपस्थित रहे। उक्त जागरूकता शिविर में उपस्थित अधिकारीयों व महिला रोग विशेषज्ञ के द्वारा महिला स्वच्छता एवं सेनेटरी नैपकिन विषय के उपचार व बचाव के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही द्वारा शांति शिक्षा सदन कुसौली थाना सुरियावां में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं /बालिकाओं के सुरक्षा व स्वालंबन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत शुभम अग्रवाल अपरपुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा शांति शिक्षा सदन कुसौली थाना सुरियावां में छात्राओं को उनके हितों व सुरक्षा के बारे मे जागरूक किया गया तथा प्राचार्य द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक भदोही को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा समझाया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112 और 1098 पर संपर्क करें। टीम ने सोशल मीडिया पर सतर्क रहने,अनजान लोगों से बातचीत में सावधानी बरतने और परिजनों व शिक्षकों से अपनी समस्याएँ खुलकर साझा करने पर विशेष जोर दिया।

इस दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा के आसान तरीके भी सिखाए गए ताकि वे आपात स्थिति में खुद को सुरक्षित रख सकें। वहीं थाना प्रभारी सुरियावा व उनकी थाने की एंट्री रोमियो टीम भी मौजूद रही। मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा का एहसास दिलाना और समाज को जागरूक करना है। इस कार्यक्रम के दौरान थानाध्यक्ष सुरियावां मौजूद रहे।

सुरियावाँ रामलीला में खरदूषण वध और सीता हरण,शबरी के फल भोजन का भी हुआ मंचन, भक्तिमय हुआ माहौल

सुरियावाँ। सोमवार की रात को श्री रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला में श्रीधाम वृन्दावन से आये हुवें कलाकारों द्वारा प्रमुख प्रसंगों का मंचन हुआ, कार्यक्रम में सुपर्णखा नासिका छेदन का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद खरदूषण वध और माता जानकी हरण का मंचन हुआ। रावण और गिद्धराज जटायु के युद्ध का दृश्य दिखाया गया। श्रीराम का जानकी वियोग में विलाप और जटायु की अंत्येष्टि के भावपूर्ण दृश्यों का मंचन किया गया, कार्यक्रम में श्रीराम द्वारा शबरी की कुटिया पर फल-भोजन स्वीकार करने का प्रसंग भी दिखाया गया। इस दृश्य को देखकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो गए। मंचन के दौरान संत परंपरा की जयघोष से वातावरण भक्तिमय बन गया, श्री रामलीला के मुख्य अथिति माँ गायत्री बाल क्लिनिक मालिक श्री डॉ. शिवकुमार प्रजापति ने दीप प्रज्जवलित कर प्रभू की लीला का शुभारंभ किया।

महान विद्वान एवं शिक्षाविद स्वर्गीय डॉक्टर हरिश्चंद्र राय पावन जयंती मनाई गई

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सोमवार को महान् विद्वान् एवं शिक्षाविद स्वर्गीय डॉक्टर हरिश्चंद्र राय को उनकी पावन जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनको कोटि कोटि नमन और वंदन कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया तथा उनके द्वारा समाज के प्रति किए गए योगदान के प्रति चर्चा की गई इस मौके पर काफी संख्या में विद्वान एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे यह कार्यक्रम भदोही जनपद के मुसी लाटपुर उनके पैतृक आवास पर संपन्न हुआ।

सेवा पखवाड़ा में विकसित, आत्मनिर्भर एवं डिजिटल भारत की संकल्पना को चित्रकला प्रतियोगिता में 256 प्रतिभागियों ने की रचनात्मक प्रस्तुति

सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत नवोदय विद्यालय ज्ञानपुर में आयोजित हुआ चित्रकला प्रतियोगिता

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सेवा पखवाड़ा 2025 पूरे जनपद में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक विकसित भारत की व्यापक थीम के साथ जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में मनाया जा रहा है। यह थीम भारत को वर्ष 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में रूपान्तरित करने परिकल्पना करती है, जो बहुआयामी प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। इस विशेष पखवाड़े में जनपद में उत्साह एवं व्यापक जनसहभागिता के साथ चित्रकला प्रतियोगिताएं पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित की गयी। इसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों, कला विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की गयी। ताकि वे कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विकसित आत्मनिर्भर एवं डिजिटल भारत की परिकल्पना एवं प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व को प्रदर्शित किया गया।

जनपद स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिताये तीन वर्गो के जूनियर वर्ग (कक्षा 9 से 12) जूनियर वर्ग में 210 प्रतिभागीय, एवं सीनियर

वर्ग (स्नातक एवं परास्नातक) में 40 एवं सामान्य वर्ग में 06 सहित कुल 256 प्रतिभागियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में विकसित भारत व विकसित उत्तर प्रदेश के रंग भरें। तीनों वर्ग की प्रतियोगिताओं हेतु नोडल अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान सहित काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय के नामित प्राध्यापक को सह-नोडल अधिकारी के देख-रेख में प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

जनपद स्तरीय तीनों वर्ग की प्रतियोगिताएं नवोदय विद्यालय ज्ञानपुर में आयोजित की गयी। प्रतियोगिताओं में सृजित पेंटिग्स में से प्रत्येक वर्ग की उत्कृष्ट तीन पेंटिग्स (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु) का चयन जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा गठित चयन समिति के द्वारा किया गया। चयन समिति के सदस्य जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नामित तीन कला अध्यापक (आर्ट टीचर्स) उपस्थित रहे।

02 अक्टूबर, 2025 को जनपद स्तर पर आयोजित गांधी जयन्ती कार्यक्रम में प्रत्येक वर्ग की प्रतियोगिताओं मंद प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। तीनो वर्गों में पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप क्रमशः रूपया 51,000, रूपया 21,000 एवं रूपया 11,000 की पुरस्कार राशि के साथ-साथ फ्रेम किये गये प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार की धनराशि रूपया 2,49,000 प्रति जनपद संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा सम्बन्धित जनपद की जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद को उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रत्येक वर्ग की प्रथम, द्वितीय एवं तृत्तीय पुरस्कार हेतु चयनित कलाकृतियां राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश, लाल बारादरी भवन, कैसरबाग, लखनऊ को मूलरूप में 15 अक्टूबर, 2025 तक उपलब्ध करायी जायेंगी। कलाकृतियों के पृष्ठ भाग में चित्रकार का नाम, सम्पर्क का पता, प्रतियोगिता वर्ग एवं प्राप्त पुरस्कार का स्पष्ट अंकन किया जायेगा।

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश प्रत्येक जनपद से प्रथम स्थान प्राप्त पेन्टिग्स में से प्रत्येक वर्ग के लिए राज्य स्तर पर उत्कृष्ट तीन पेन्टिंग्स का चयन करेगी। जनपद स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त समस्त पेन्टिंग्स की प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश दिवस, 2026 के अवसर पर लगायी जायेगी। इस अवसर पर राज्य स्तरीय उत्कृष्ट पेंटिग्स के पुरस्कारो का वितरण भी किया जायेगा। प्रत्येक वर्ग के लिए राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार रूपया 2,00,000 द्वितीय पुरस्कार रूपया 1,51,000 एवं तृतीय पुरस्कार रूपया 1,00,000 की धनराशि का होगा। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जेएनवी प्रिंसिपल इकरमुद्दीन सिद्दीकी, संयोजक अन्य प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

वन विभाग ने मनाया स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। परिवर्तन विभाग भदोही ने उच्च प्राथमिक विद्यालय कंसापुर ज्ञानपुर में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। वन विभाग की ओर से डॉक्टर जितेंद्र कुमार एवं अभय कुमार सिंह के द्वारा के बच्चों को स्वच्छता के संबंध में विभिन्न प्रकार की जानकारियां दिया गया।उन्होंने कहा कि यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो निरोग रहेंगे। राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि हम स्वस्थ भारत की संकल्पना को तभी साकार कर सकेंगे, जब हम घर से लेकर समाज के अंतिम छोर तक सफाई अभियान में अपना योगदान देंगे। हमें प्रतिवर्ष कम से कम 100 घंटा श्रमदान स्वयं करते हुए समाज के हर व्यक्ति को इससे जोड़ने का प्रयास करना होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका अनुराधा जायसवाल मनीष कुमार सहायक अध्यापक गायत्री मौर्य नीलम मौर्य आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

जनपद में गॉधी जयंती के अवसर पर आयोजित किये जायेगे विभिन्न कार्यक्रम-अपर जिलाधिकारी

राजकीय भवनों पर फहराया जायें राष्ट्रीय ध्वज, महात्मा गांधी के चित्र का अनावरण व माल्यापर्ण-एडीएम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी की जयंती 02 अक्टूबर को जनपद में धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर पर कलेक्टेड्रट में महात्मा गांधी के चित्र का अनावरण व माल्यापर्ण किया जायेगा।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को निर्देशत किया गया कि वे गत कार्यक्रम के दृष्टिगत निर्धारित कार्यक्रम सम्पन्न कराये जाने हेतु नोडल अधिकारियों को पत्र निर्गत कराये तथा 02 अक्टूबर को कार्यालयों, ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाये जाने, स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित होगे।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि प्रातः 07 बजे से क्रास कन्ट्री रेस का आयोजन मूसीलाटपुर से देवनाथपुर तक तथा वापस देवनाथपुर से मूसीलाटपुर स्टेडियम तक उप जिलाधिकारी भदोही के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जायेगा, जिसका आयोजन जिला क्रीडा अधिकारी के द्वारा किया जायेगा। महात्मा गॉधी के चित्र का अनावरण जिलाधिकारी शैलेष कुमार के द्वारा कलेक्टेड्रट सभागार में किया जायेगा। साथ ही गांधी के प्रिय भजन, रामधुन एवं गांधी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला जायेगा। 10.30 बजे प्रातः ग्राम-पिपरीस में उप जिलाधिकारी के द्वारा अपने क्षेत्र में कुष्ठ रोगियों को फल एवं दवा का वितरण मुख्य चिकित्साधिकारी/कुष्ट रोग अधिकारी/क्षय रोग अधिकारी व समस्त उप जिलाधिकारी के द्वारा किया जायेगा। समय 11.30 बजे क्षय रोगियों को फल एवं दवा का वितरण मुख्य चिकित्साधिकारी/कुष्ट रोग अधिकारी/क्षय रोग अधिकारी व समस्त उप जिलाधिकारी के द्वारा किया जायेगा।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा के तहत साफ-सफाई कार्यक्रम जिला पंचायत राज अधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि प्रधान, सेक्रेटरी, लेखपाल गांव/वार्डो में उपस्थित रहकर बृहद साफ-सफाई करायी जाय तथा प्रत्येक विभाग के सफाई कर्मियों को पुरस्कृत करें

तथा उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर/खण्ड विकास अधिकारी ज्ञानपुर/अधिशासी अधिकारी ज्ञानपुर नगर पंचायत ज्ञानपुर को निर्देशित किया गया है कि दुर्गागंज त्रिमुहानी ज्ञानपुर से जिला मुख्यालय के तरफ जो रास्ते पर कूड़ा पड़ा रहता है जिसे तत्काल डिस्पोज/हटवाये जाने का निर्देश दिया गया है। अपर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया है कि आशा कार्यकत्री प्रत्येक गॉव में उत्सव जैसा 02 अक्टूबर मनायेगे तथा हर गॉव में ब्लिचिंग पाउडर का छिड़गांव करायेंगी। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक विकास खण्ड में कम से कम पॉच गॉव में स्वच्छता के सम्बन्ध में विशेष प्रचार-प्रसार करायेगे तथा गांवो में स्वच्छता शौचालय के सफाई के संबंध में उक्त कार्यक्रम के तहत जो गॉव सर्वश्रेष्ठ पाया जायेगा उसे पुरस्कृत किया जायेगा। परियोजना अधिकारी डूडा को अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया गया कि मलिन बस्तियों में अपनी उपस्थिति में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करायेगें। प्रत्येक विभागाध्यक्ष/कार्यालयाक्ष्य अपने-अपने कार्यालय की आन्तरिक साफ-सफाई तथा कार्यालय के बाहर रंगोली आदि बनाये जाने की भी कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के द्वारा किया जायेगा एवं कार्यालय के अन्दर अनावश्यक रूप से रखी पत्रावलियां जो वीडिंग योग्य है उनका भी नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित कराया जाय। जिससे कार्यालय के अन्दर साफ-सफाई अच्छी प्रकार से सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने सभी कार्यालयों/विद्यालयों में किसी बड़े हाल या कक्ष में कार्यालयाध्यक्ष द्वारा प्रातः 09 बजे महात्मा गॉधी के एक बड़े चित्र का अनावरण व माल्यापर्ण किया जायेगा तथा उनके जीवन संघर्ष देश-प्रेम, देश-सेवा जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला जायेगा। स्वास्थ्य मेला, रक्तदान शिविर एवं कुष्ठ उन्मुलन कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

बरेली बवाल का मोस्ट वांटेड आईएमसी नेता नदीम खान गिरफ्तार

मौलाना के करीबी के होटल और दो बरातघर सील

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश पुलिस ने बरेली हिंसा के दूसरे मास्टरमाइंड को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान नदीम के रूप में हुई है, जो स्थानीय मौलवी और इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख तौकीर रज़ा खान का करीबी सहयोगी है। पुलिस हिंसा भड़कने के बाद से ही नदीम की तलाश कर रही थी। झड़प शुरू होने के बाद से ही वह फरार था। पुलिस के अनुसार, नदीम ने भीड़ जुटाने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और लोगों को विरोध प्रदर्शन के लिए इकट्ठा होने के लिए बुलाया। इसके अलावा, उसका फोन भी बरामद कर लिया गया है, जिसमें कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पुलिस ने बताया कि बरेली में हिंसा भड़काने के बाद नदीम उत्तर प्रदेश से भागने की योजना बना रहा था। हालाँकि, पुलिस ने उसे भागने से पहले ही शाहजहाँपुर जिले में गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, नदीम को बरेली दंगों के मास्टरमाइंड तौकीर रज़ा का दाहिना हाथ माना जाता है। यह भी पता चला कि नदीम ने कभी तौकीर रज़ा के आदेशों की अवहेलना नहीं की। नदीम एक हफ्ते से बरेली में हिंसा की योजना बना रहा था। 'आई लव मुहम्मद' अभियान के समर्थन में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हालिया हिंसा के सिलसिले में स्थानीय मौलवी तौकीर रज़ा खान समेत कुल 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रज़ा को बरेली में हुए एक हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद गिरफ्तार किया गया था, जहाँ शुक्रवार की नमाज के बाद कोतवाली इलाके में एक मस्जिद के बाहर 'आई लव मुहम्मद' के पोस्टर लिए एक बड़ी भीड़ और पुलिस के बीच झड़प हो गई थी।

भीड़ कथित तौर पर इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के संस्थापक रज़ा द्वारा प्रस्तावित एक प्रदर्शन को रद्द किए जाने से नाराज़ थी, जिन्होंने दावा किया था कि अधिकारियों ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। अधिकारियों ने बताया कि रज़ा समेत 180 नामजद और 2, 500 अज्ञात 'दंगाइयों' के खिलाफ शहर के विभिन्न पुलिस थानों, जिनमें कोतवाली, प्रेमनगर, बारादरी, कैंट और किला शामिल हैं, में हिंसा भड़काने, तोड़फोड़, दंगा, पथराव और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोप में विभिन्न धाराओं के तहत दस मामले दर्ज किए गए हैं।

जनता दरबार में बैठे थे सीएम योगी, तभी आई गरीब बूढ़ी मां

दर्द सुन द्रवित हो उठा राज्य के मुखिया का कलेजा कैंसर पीड़ित बेटे को तुरंत भिजवाया अस्पताल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री को, सोमवार को एक कैंसर पीड़ित बेटे की बूढ़ी मां ने अपनी तकलीफ़ बताई जिसे सुन कर योगी आदित्यनाथ द्रवित हो गए और तत्काल बेटे को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। मौका था 'जनता दर्शन' का जहां योगी आदित्यनाथ पीड़ितों की फरियाद सुन रहे थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' के दौरान प्रदेश के 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री एक-एक करके सभी के पास पहुंचे, उनके प्रार्थना पत्र लिये और अफसरों को तत्काल उचित निराकरण का निर्देश दिया।

इसी बीच कानपुर के रायपुरवा की करीब 64 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने मुख्यमंत्री से कहा कि उसके जवान बेटे को कैंसर हो गया है और निर्धनता की वजह से वह उसका इलाज नहीं करा पा रही हैं। महिला ने बताया कि उसके पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। महिला ने मुख्यमंत्री से आर्थिक मदद का अनुरोध किया। बुजुर्ग महिला की यह बात सुन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उसके बेटे को कल्याण सिंह कैंसर सुपर स्पेशियलिटी इंस्टीट्यूट भिजवाने और उपचार प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 'जनता दर्शन' से सीधे उसे अस्पताल भेज दिया गया जहां उसकी जांच प्रारंभ हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर सेवा, नारायण सेवा को अंगीकृत कर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासियों के चेहरे पर खुशी लाना सरकार का उद्देश्य है। इसे लेकर ही सरकार नियमित रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज के लिए किसी भी पीड़ित ने स्वयं, जनप्रतिनिधि या किसी भी माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है, उसे सहायता उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने कहा ''हमारी सरकार हर पीड़ित के साथ है। '' 'जनता दर्शन' में लखनऊ से आए व्यक्ति ने अवैध निर्माण की शिकायत की। वहीं साइबर फ्रॉड से जुड़े मामले में कार्रवाई न होने की शिकायत लेकर नोएडा के पीड़ित ने अपनी बात रखी। इलाज के लिए आर्थिक सहायता, पुलिस, प्रशासन, राजस्व, बिजली आदि से जुड़े मामले भी लोगों ने रखे।

धर्मांतरण रैकेट का पर्दाफाश

ईसाई धर्म अपनाने के लिए 'चमत्कारी उपचार' का करते थे दावा, मास्टमाइंड गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। लखनऊ पुलिस ने कथित तौर पर अनुसूचित जाति के लोगों को प्रलोभन और 'चमत्कारी उपचार' के दावों के जरिए ईसाई धर्म अपनाने के लिए लुभाने वाले एक धर्मांतरण गिरोह के कथित सरगना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान निगोहां थाना क्षेत्र के बकतौरी खेड़ा निवासी मलखान (43) के रूप में हुई है, जिसे रविवार को उसी इलाके के हुलासखेड़ा रोड से गिरफ्तार किया गया। बताया कि 'प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही मलखान फरार था। पुलिस की एक टीम ने उसका पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।'

पुलिस के एक बयान के अनुसार, , मलखान ने अपने खेत पर एक हॉल का निर्माण किया था और कथित तौर पर उसे एक अस्थायी चर्च के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। बयान में कहा गया है कि मलखान हर रविवार और बृहस्पतिवार को वह अनुसूचित जाति लोगों को एकत्र कर बीमारियों के इलाज का कथित तौर पर वादा करता था और प्रलोभन देता था। इन सभाओं के दौरान, लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के लिए कथित तौर पर बपतिस्मा दिया जाता था।

पुलिस ने कहा कि मलखान ने खुद ईसाई धर्म अपना लिया था और अपने बच्चों और रिश्तेदारों के नाम बदलकर ईसाई नाम रख लिए थे। वह अनुसूचित जाति के सदस्यों तक पहुँचने के लिए 'येशु चंगाई सभा' नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप भी चलाता था। पुलिस ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी के दौरान, बाइबिल की शिक्षाओं पर आधारित दो किताबें और अन्य प्रचार सामग्री बरामद की गई। उसके वित्तीय स्रोतों की भी जाँच की जा रही है और पुलिस उन लोगों से संपर्क कर रही है जिनका धर्म परिवर्तन होने की आशंका है। मामले में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धाराओं के तहत निगोहां थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मलखान को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को डीसीपी दक्षिण ने 25, 000 रुपये नकद पुरस्कार दिया है।

हिंदू छात्रों से क्लासरूम में जबरन लिखवाया आई लव मोहम्मद

स्कूल संचालक और शिक्षिका गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सीतापुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर स्कूल में हिंदू विद्यार्थियों से आई लव मोहम्मद लिखे स्लोगन चार्ट पर बनवाए गए। बच्चों ने जानकारी घर जाकर अपने परिजनों को दी, जिस पर सभी परिजन भड़क गए और विद्यालय में पहुंचकर आपत्ति जताई। जिसके बाद पुलिस ने संचालक और टीचर के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को विद्यालय में आई लव मोहम्मद स्लोगन प्रतियोगिता करवाई गई। छुट्टी के बाद घर पहुंचे बच्चों ने जानकारी दी तो अभिभावकों ने विद्यालय में आपत्ति जताई थी। अभिभावक अखिलेश, सुशील, ज्ञानेंद्र आदि ने थाने में तहरीर दी थी। बजरंगदल के जिलाध्यक्ष आशुतोष वर्मा ने थाने में कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने इस मामले में दो के खिलाफ मुकदमा लिखा। इसके बाद मामले की जांच की दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में पता चला कि नईमुद्दीन की पत्नी खुशनूर बानो बनबीरपुर की प्रधान हैं। थानाध्यक्ष सदरपुर राजेश कुमार ने बताया कि विद्यालय संचालक नईमुद्दीन उर्फ हिन्नू व शिक्षिका साहिबा को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक अन्य संचालक की भी तलाश की जा रही है।

सड़क पर लगा लाशों का ढ़ेर! एक ही परिवार से उठीं 5 अर्थियां

पिकअप की टक्कर से बाइक सवारों की मौत मृतको में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हरदोई जिले में दिल-दहला देने वाला हादसा हुआ है। यहां सोमवार करीब ढाई बजे सुरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत तिराहे पर पिकअप की टक्कर से पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं, एक पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही सीओ अंकित मिश्र और एसडीएम सदर सुशील कुमार मिश्र मौके पर पहुंचे हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, सुरसा थाना क्षेत्र के भिठा निवासी संदीप के बेटे कार्तिक का मुंडन था। गांववाले और रिश्तेदार ट्रैक्टर-ट्राली और बाइकों से बाबा मंदिर गए थे। जहां से मुंडन कराकर वापस लौटते समय यह दादसा हो गया। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर संतराम, उसकी पत्नी संगीता, संदीप की पत्नी मोनी, संदीप की बेटी गौरी और राजेश का पुत्र आमू बैठे थे। बाइक संतराम चला रहा था।

तिराहे पर सामने से आ रहे पिकअप डाला ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक में बैठे संतराम, संगीता, मौनी और गौरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आमू घायल हो गया। राहगीरों द्वारा घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को मेडिकल कालेज भेजा। जहां डॉक्टरों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है की ट्राली में 50 से अधिक महिलाएं और पुरुष बैठे थे। इसके चलते संतराम की बाइक पर उसकी पत्नी, कार्तिकेय की मां और दो बच्चे बैठ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक और पिकअप दोनों की रफ्तार तेज थी। तेज रफ्तार के चलते ही बाइक अनियंत्रित हुई और पिकअप से टकरा गई।

पाक से मैच पर सियासी घमासान, सौरभ भारद्वाज बोले- शहीदों का अपमान, करोड़ों पर सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत द्वारा पाकिस्तान को हराकर एशिया कप फ़ाइनल की ट्रॉफ़ी जीतने पर, आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बड़ा बयान दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि टीम इंडिया ने मोहसिन नक़वी के हाथों से कप नहीं लिया। जब यह सीरीज़ शुरू हुई थी, तब मैंने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें भारतीय टीम के कप्तान मोहसिन नक़वी के साथ कप पकड़े हुए और हाथ मिलाते हुए तस्वीर खिंचवा रहे थे। मैंने एक वीडियो भी अपलोड किया था, जिसमें एशिया कप के लिए कप्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, वह मंच पर पाकिस्तानी कप्तान से हाथ नहीं मिला रहे थे। लेकिन, जैसे ही वह मंच से उतरे, उन्होंने उनसे हाथ मिलाया।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जनता तय कर सकती है कि स्क्रिप्ट से पहले क्या हुआ और बाद में क्या हुआ। प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तानी टीम के साथ मैच खेलने के लिए टीम को बधाई दे रहे हैं... इज़राइल और गाज़ा के बीच क्रिकेट और फुटबॉल मैच भी होंगे। इससे पहले भारद्वाज ने एक्स पर एक वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि देखिए सीरीज़ की शुरुआत में, अभी 15 दिन पहले, पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी के साथ हाथ भी मिलाया, फोटो भी खिंचवाया। मगर भारत में मैच का विरोध हुआ तो खिलाड़ियों को नई स्क्रिप्ट दी ताकि देश में प्रोपेगंडा चला सकें।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल खेलने के लिए भाजपा और भारतीय क्रिकेट टीम की आलोचना की। एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो का हवाला देते हुए, राउत ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से हाथ मिलाया था। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे भाजपा के नकली देशभक्तों और भक्तों के बारे में नहीं पता, लेकिन असली देशभक्तों ने कल मैच नहीं देखा। आपने पीसीबी प्रमुख नकवी से ट्रॉफी नहीं ली, लेकिन मैंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें भारतीय कप्तान उनसे हाथ मिलाते, चाय पीते और तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। क्या आपको लगता है कि जनता मूर्ख है?'

इसके अलावा, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों का अपमान बताया। उन्होंने कहा, 'हमारा सवाल है कि आप पाकिस्तान के साथ क्यों खेल रहे हैं? आपको पहलगाम में शहीद हुए सैनिकों और शहीद हुए लोगों का अपमान नहीं करना चाहिए। आपने ट्रॉफी नहीं ली, उनके कप्तान से हाथ नहीं मिलाया, लेकिन फिर आपने मैच क्यों खेला? अगर आपने खेला, तो यह ड्रामा बंद करें।'

यूकेएसएसएससी भर्ती विवाद : धामी की खुली चुनौती, बोले- किसी भी जाँच के लिए तैयार

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के प्रति अपनी सरकार के जीरो टॉलरेंस के रुख को दोहराया और आश्वासन दिया कि युवाओं के साथ कोई अन्याय नहीं होगा और उनकी सरकार यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले की किसी भी जांच के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि विधानसभा और सचिवालय जनता से मिलने और दैनिक कार्यों को संबोधित करने के स्थान हैं। इसलिए मैं जनता से मिलने और यहीं से सरकारी कामकाज निपटाने के लिए विधानसभा और सचिवालय दोनों जाने का प्रयास करता हूँ।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने कहा है कि युवाओं के अधिकारों, योग्यताओं, प्रतिभाओं और क्षमताओं के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए। भर्ती प्रक्रिया में कोई भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। यदि कोई प्रश्न हैं, तो हमने कहा है कि हम छात्रों की इच्छानुसार कोई भी जांच कराने के लिए तैयार हैं। आगे कई परीक्षाएँ हैं। सभी को खुद को तैयार करना चाहिए। इससे पहले रविवार को, मुख्यमंत्री ने भर्ती परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि 25, 000 से ज़्यादा नियुक्तियाँ बिना किसी गड़बड़ी के की जा चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूकेएसएसएससी द्वारा आयोजित 2025 स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा में कथित पेपर लीक की वर्तमान में एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) द्वारा जाँच की जा रही है।

यूकेएसएसएससी स्नातक स्तरीय परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों के बाद यह जाँच के दायरे में आई, जिसके बाद राज्य सरकार ने न्यायिक निगरानी में जाँच के आदेश दिए। कथित अनियमितताओं की जाँच और ज़िम्मेदार लोगों की पहचान के लिए 24 सितंबर को देहरादून ग्रामीण की पुलिस अधीक्षक जया बलूनी की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। शुक्रवार को विरोध प्रदर्शनों के बीच, सीएम धामी ने युवाओं से अपील की थी कि वे अपने हितों का शोषण करने वालों से सावधान रहें। धामी ने कहा, '...मैं सभी युवाओं से अपील करता हूँ कि वे तय करें कि उनके आंदोलन का नेतृत्व कौन कर रहा है, जो लोग अपने स्वार्थ के लिए युवाओं को सड़कों पर ला रहे हैं, उनका युवाओं या भर्ती प्रक्रिया से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन हमारी प्रतिबद्धता है कि जिस तरह हमने बिना किसी भ्रष्टाचार के पारदर्शी तरीके से 25, 000 नियुक्तियाँ की हैं, हम वैसा ही करेंगे।'

कर्ज में डूबे किसान दंपति ने की दिल दहला देने वाली आत्महत्या, बच्चों के लिए छोड़ा भावुक संदेश

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। फुलंब्री तालुका के आलंद क्षेत्र के पिंपरी शिवार गांव में कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान एक किसान दंपति ने एक के बाद एक आत्महत्या कर ली। पत्नी ने शुक्रवार को कुएं में कूदकर अपनी जान दी, तो शनिवार को पति ने उसी कुएं के पास पेड़ पर फांसी लगाकर दम तोड़ दिया। इस घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है।

43 वर्षीय विलास रामभाऊ जमधड़े और उनकी 38 वर्षीय पत्नी रमाबाई विलास जमधड़े अल्पभूधारक किसान थे। बैंकों के कर्ज और हाल के मुसलाधार बारिश से फसलों को हुए नुकसान ने उनकी जिंदगी को दुष्कर बना दिया था। शुक्रवार (27 सितंबर) को रमाबाई ने शेतातील कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। उनके शव की खोजबीन के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी, तभी शनिवार सायंकाल करीब 5 बजे विलास ने गाव से दो किलोमीटर दूर शेत पहुंचकर टोक का कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि विलास का शव उसी कुएं के पास पेड़ से लटका मिला। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम फुलंब्री ग्रामीण अस्पताल में कराया गया। प्रारंभिक जांच में कर्जबारी ही मौत का मुख्य कारण सामने आया है।

आत्महत्या से पहले विलास ने व्हाट्सएप ग्रुप पर अपने दो नाबालिग बेटों सुमित और अमित के नाम एक मार्मिक संदेश लिखा। संदेश में उन्होंने कहा, 'मैं विलास रामभाऊ जमधड़े, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक का पीक कर्ज होने के कारण आत्महत्या कर रहा हूं। मेरी पत्नी ने भी कल बैंक के कर्ज के कारण आत्महत्या कर ली। सुमित, अमित मुझे माफ करो, लेकिन मेरी आखिरी इच्छा है कि तुम आलंद से ही अपनी पढ़ाई पूरी करो। मेरे प्रिय बच्चों।' यह संदेश पढ़कर गांववासी भावुक हो गए। दंपति के अब दो छोटे बच्चे अनाथ हो चुके हैं, जिनका भविष्य अब अनिश्चित है।

इस घटना से पूरे गांव और तालुका में सन्नाटा पसर गया है। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रही प्राकृतिक आपदाओं ने किसानों की कमर तोड़ दी है। एक ग्रामीण ने कहा, 'कर्ज माफी और फसल बीमा की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए, ताकि ऐसी त्रासदियां न हों।' पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने भी मामले का संज्ञान लिया है। मराठवाड़ा क्षेत्र में किसान आत्महत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, जिससे सरकार पर ठोस कदम उठाने का दबाव बढ़ गया है।

मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से गांवों को मिल रही हैं शहरों वाली सुविधाएं

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सपना तेजी से साकार हो रहा है। बिहार सरकार की 'मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना' के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ने का संकल्प अब हकीकत बन चुका है। इस योजना के तहत गांवों में यातायात की सुविधा विकसित होने के साथ ही ग्रामीण आबादी को शहरों जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। राज्यभर में कुल 33 हजार, 821 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों के निर्माण के साथ मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना की प्रगति के आंकड़े बेहद उत्साहजनक रहे हैं। अबतक इस योजना के तहत 24, 289 ग्रामीण सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। जबकि लक्ष्य कुल 31 हजार, 590 सड़कों के निर्माण का है। मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना (एमएमजीएसवाई) ग्रामीण क्षेत्रों में उन बस्तियों और टोलों को बारहमासी सड़क संपर्कता प्रदान करती है जो प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में शामिल नहीं हैं। यह योजना राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित है और ग्रामीण आबादी की परिवहन चुनौतियों को हल करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार करने और ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई है। इस योजना से राज्य के कुल 28 हजार से भी अधिक गांवों, बसावटों और टोलों को संपर्कता प्रदान की गई है, जिसकी कुल लंबाई 33, 821 किलोमीटर है। इसके अतिरिक्त 165 छोटे-बड़े पुलों का निर्माण भी सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इन ग्रामीण सड़कों के निर्माण से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में न केवल आवागमन बेहतर हुआ है, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी सहज और सुनिश्चित हुई है।

करूर भगदड़ : निर्मला सीतारमण ने ने किया घटना स्थल का दौरा

घायलों और पीड़ितों के परिजनों से की मुलाकात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को तमिलनाडु के करूर का दौरा किया और शनिवार को टीवीके प्रमुख विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस रैली में 41 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन को व्यक्तिगत रूप से फोन किया और उन्हें घटनास्थल पर जाकर शोक संतप्त परिवारों से मिलने और घायलों का हालचाल जानने के लिए कहा। सीतारमण ने कहा कि भगदड़ में कई लोग, पुरुष और महिलाएँ, शरीर पर जगह-जगह घायल हो गए। हम कुछ मृतकों के परिवारों से भी मिले। उनकी कहानियाँ सुनकर मेरा कलेजा मुँह को आ गया। मेरा दिल दुख से भर गया है। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि करूर की घटना स्तब्ध करने वाली है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। प्रधानमंत्री ने मुझे और डॉ. मुरुगन को फ़ोन किया और हमें उन सभी परिवारों से मिलने और घायलों का हालचाल जानने की सलाह दी, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मुरुगन के साथ, उन्होंने जिला कलेक्टर के साथ भगदड़ स्थल का निरीक्षण किया और पीड़ितों के कई परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैं न तो उनसे बात कर पाई और न ही उन्हें सांत्वना दे पाई। उनमें से ज़्यादातर गरीब परिवारों से हैं। मैं उनका दर्द सुन सकती थी। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री का शोक संदेश शोक संतप्त और घायलों तक पहुँचाया।

सीतारमण ने सार्वजनिक समारोहों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के महत्व पर भी प्रकाश डालाः 'सार्वजनिक मामलों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएँ निर्धारित करने का कोई भी समय बुरा नहीं होता, खासकर जहाँ लोगों की भारी भीड़ होगी।

एशिया कप : वे काफी कुछ कह रहे थे तिलक वर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले के बाद किया खुलासा

दुबई **(एजेंसी)**। तिलक वर्मा एशिया कप के फाइनल के दौरान जब क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और काफी दबाव वाली परिस्थितियों में कमाल की बल्लेबाजी की।

तिलक ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' पर टीम के साथी खिलाड़ी शिवम दुबे के साथ बातचीत में कहा, 'मैं बल्ले से जवाब देना चाहता था वे बहुत सारी बातें कह रहे थे और मैं सिर्फ अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। अब वे मैदान पर दिखाई नहीं दे रहे हैं।'

दुबे और तिलक के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी ने भारत को दो गेंद शेष रहते एशिया कप जिताने में मदद की। तिलक 53 गेंदों पर 69 रन बनाकर नाबाद रहे। दुबे ने इसके बाद हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे बल्ले ने भी बात की, उनके पास मुझे कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था।'

तिलक ने कहा कि स्टेडियम के माहौल ने उन्हें इतने बड़े मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, 'दर्शकों से 'वंदे मातरम' के जयकारे सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। मैं बस 'भारत माता की जय' कहना चाहता हूं।'

भरोसे का प्रतीक बन गए हैं तिलक वर्मा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को खेले गए एशिया कप फाइनल में भारत के माथे पर जीत का तिलक लगाने वाले तिलक वर्मा आज न केवल हर भारतीय की जुबान पर हैं, बल्कि भरोसे का प्रतीक भी बन गए हैं। आठ नवंबर 2002 को आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में तेलगु परिवार में जन्में तिलक वर्मा ने 21 की उम्र पार करने से पहले ही अगस्त 2023 में भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला था।

अपने इस पहले मैच में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी और तीसरी ही गेंद पर दो शानदार छक्के लगाकर साबित कर दिया कि वह क्रिकेट जगत में अपनी धाक जमाने के लिए आए हैं। एक वक्त था जब इस प्रतिभावान खिलाड़ी के पिता श्री नम्बूरी नागराजू के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह निजी कोचिंग की व्यवस्था कर पाते, लेकिन तब तिलक के पहले कोच श्री सलाम बयाश ने न केवल उनके लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की, बल्कि आवश्यक सामान भी जुटाए।

तिलक ने उनके भरोसे पर खरे उतरते हुए 2018-19 में हैदराबाद की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्हें जल्द ही, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले अंडर-19 विश्वकप के लिए चुन लिया गया, जहां उन्होंने तीन पारियों में महत्वपूर्ण 86 रन बनाए। तिलक घरेलू क्रिकेट में 2021 में हैदराबाद की ओर से खेलते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और सात पारियों में 147.26 के स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए। इस प्रदर्शन पर आईपीएल टीमों की नजर गई और 2022 के मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियन्स ने उन्हें 1.70 करोड़ में खरीद लिया।

तिलक ने अपने पहले आईपीएल सीजन में सभी 14 मैच खेले और 36.09 की औसत एवं 131.02 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए। आईपीएल के इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय टीम में उनके चयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया और उन्होंने 2023 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना पदार्पण किया। तिलक वर्मा ने अब तक के अपने क्रिकेट कैरियर में 32 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 30 पारियों में 149 की स्ट्राइक रेट से 962 रन बनाए हैं। अपने टी-20 करियर में उन्होंने दो शतक लगाए हैं और वह भी लगातार दो पारियों में, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड् है। उनका एक पारी में

सबसे अधिक स्कोर 120 नाबाद रन है।

तिलक को हालांकि एक दिवसीय मैचों में बहुत मौका नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने चार मैचों में एक अर्धशतक जड़ दिया है। उन्होंने प्रथम श्रेणी में 22 मैचों में 34 पारियां खेलते हुए अब तक 1562 रन बनाए है। उल्लेखनीय है कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज, बॉलिंग ऑल राउंडर है, जिसने अंतरराष्ट्रीय टी-20 में छह पारियों में गेंदबाजी करके तीन विकेट भी हासिल किये है। तिलक के पिता श्री नागराजू पेशे से एक इलेक्ट्रीशियन हैं और वह भी हर पिता की तरह चाहते थे कि उनका बेटा एक स्थायी आय वाले पेशे में जाए। वह चाहते थे कि उनका बेटा डॉक्टर बने, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने आप को अपने बेटे पर नहीं थोपा। तिलक की मां एक गृहणी हैं और उनके छोटे भाई तरुण वर्मा भी एक खिलाड़ी हैं, वह राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन खेल चुके हैं।

बोपन्ना, युजुकी शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर जापान ओपन के फाइनल में

तोक्यो **(एजेंसी)**। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और जापान के उनके जोड़ीदार ताकेरू युजुकी ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सोमवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की अमेरिका की जोड़ी को बेहद रोमांचक मैच में हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का किया।

बोपन्ना और युजुकी ने धैर्य दिखाते हुए हैरिसन और किंग को 4-6, 6-3, 18-16 से हराया बोपन्ना और युजुकी ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में जोरदार वापसी की और फिर मैराथन सुपर टाई-ब्रेक में धैर्य बनाए रखा। उन्होंने तीसरे मैच प्वाइंट को भुनाकर मुकाबला अपने नाम किया।

इस दौरान 44 वर्षीय बोपन्ना ने अपनी शानदार सर्विस का अच्छा इस्तेमाल किया, जबकि युजुकी ने शानदार रिटर्न और नेट के इस्तेमाल प्रभावित किया। इस जीत से बोपन्ना एक और फाइनल में पहुंच गए हैं। इससे पहले, 2025 में बोपन्ना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन क्वीन्स क्लब में एटीपी 500 के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना था।

वेस्टइंडीज को भारत दौरे से पहले बड़ा झटका, तेज गेंदबाज चोट के कारण आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को भारत दौरे से पहले बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट 2 अक्टूबर से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा।

जोसेफ अब तक 40 टेस्ट में 124 विकेट चटका चुके हैं और बल्ले से 770 रन भी बनाए हैं। उनकी गेंदबाज़ी का औसत 33.46 रहा है। चोट की वजह से उनकी निरंतरता पर असर पड़ा है और यही कारण है कि टीम को बैकअप विकल्प तलाशने पड़े।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बयान जारी करते हुए बताया कि जोसेफ की जगह जेडिया ब्लेड्स को टीम में शामिल किया गया है। ब्लेड्स ने अभी तक तीन वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। नेपाल के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज पूरी करने के बाद वे भारत दौरे पर टीम से जुड़ेंगे।

यह वेस्टइंडीज का दूसरा बड़ा नुकसान है। इससे पहले तेज गेंदबाज़ शमर जोसेफ चोटिल होकर बाहर हो गए थे। उनकी जगह ऑलराउंडर जोहान लेने को टीम में शामिल किया गया था।

अब वेस्टइंडीज के पास गेंदबाज़ी में जेडन सील्स और एंडरसन फिलिप जैसे तेज गेंदबाज़ बचे हैं, जबकि ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज़ को भी गेंदबाजी में जिम्मेदारी निभानी होगी। स्पिन विभाग की कमान जोमेल वारिकन और खैरी पियरे के हाथों में होगी।

भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की अपडेटेड टेस्ट टीम : रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वार्रिकन (उप-कप्तान), केवलन एंडरसन, एलिक अथानाज़, जॉन कैंपबेल, टेगनारिन चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रीव्स, शाई होप, टेविन इमलाच, जोहान लेने, जेडिया ब्लेड्स, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, खारी पियरे, जेडन सील्स।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर ने 1.2 करोड़ डॉलर में बेची कोयला कंपनियों की हिस्सेदारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बिजनेस टाइकून अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने सोमवार को एक बड़ी डील की घोषणा की। कंपनी ने इंडोनेशिया की पांच कोयला कंपनियों में अपनी 100इ हिस्सेदारी लगभग 100 करोड़ रुपए (1.2 करोड़ डॉलर) में बेचने का फैसला किया है।

कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में बताया कि उसकी दो सहायक कंपनियों – रिलायंस पावर नीदरलैंड्स बीवी और रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड – ने यह सौदा बायोट्रस्टर (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया है। समझौता 29 सितंबर 2025 को साइन हुआ है और डील 30 दिसंबर 2025 तक पूरी हो जाएगी, बशर्ते जरूरी शर्तें पूरी हों।

कंपनी ने बताया कि इन सहायक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में कोई आय दर्ज नहीं की थी। इनकी कुल संपत्ति रिलायंस पावर की समेकित निवल संपत्ति का मात्र 0.53इ थी यानी ये डील कंपनी की बैलेंस शीट पर ज्यादा असर नहीं डालेगी।

रिलायंस पावर ने स्पष्ट किया है कि खरीदार का कंपनी के प्रमोटर समूह से कोई संबंध नहीं है और यह रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन नहीं है। यह सौदा सेबी एलओडीआर नियम 37ए के तहत मंदी की बिक्री या पुनर्गठन योजना का हिस्सा भी नहीं है।

सिवाच का विजयी गोल, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने आस्ट्रेलिया को हराया

कैनबरा **(एजेंसी)**। कनिका सिवाच के विजयी गोल की बदौलत भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम पर 1-0 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला सोमवार को नेशनल हॉकी सेंटर में खेला गया।

मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। कनिका सिवाच ने मुकाबले के 32वें मिनट महत्वपूर्ण फील्ड गोल करते हुए आखिरकार गतिरोध तोड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

भारतीय टीम इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ लगातार दो मुकाबले गंवा चुकी थी, लेकिन इस जीत ने टीम में जोश भर दिया है। अब भारतीय टीम इस नई लय को बरकरार रखते हुए इस दौरे के बाकी मैचों में वापसी करने की उम्मीद करेगी।

इससे पहले, शुक्रवार को जूनियर महिला हॉकी टीम कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने पहले मैच में 2-3 से हारी।

भारतीय टीम के लिए लालथंतलुआंगी (47वें मिनट) और सोनम (54वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बियांका जुरर (36वें मिनट), एवी स्नांसबी (45वें मिनट) और सैमी लव (59वें मिनट) ने गोल किए।

भारतीय टीम ने अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के विरुद्ध 0-5 से हार का सामना किया। इस मुकाबले में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

ऑस्ट्रेलियाई खेमे से मकायला जोन्स ने मुकाबले के 10वें, 11वें और 52वें मिनट तीन गोल दागे। इनके अलावा, सैमी लव ने 38वें मिनट गोल किया। इसके बाद मिगालिया हॉवेल ने 50 वें मिनट गोल दागा।

30 सितंबर और 2 अक्टूबर को भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख हॉकी वन लीग में खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगी। यह सीरीज दिसंबर में चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 से पहले भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

उम्मीद की जा रही है कि ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तरीय टीमों के साथ खेलने से अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में भारतीय टीम की गुणवत्ता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमेरिका समेत कई देशों के साथ एफटीए पर बातचीत जारी : गोयल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए अमेरिका, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू, चिली और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि कतर और बहरीन भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के इच्छुक हैं।

गोयल ने कहा कि अगस्त में भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईएईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे। ईएईयू में आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और रूस शामिल हैं।

मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में कहा, अमेरिका के साथ (व्यापार समझौते के लिए) बातचीत चल रही है। यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली के साथ भी बातचीत चल रही है।

पिछले सप्ताह, गोयल ने न्यूयॉर्क में व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उस बैठक के बाद, भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया था।

दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर रचनात्मक बैठकें कीं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें कीं।

सहारा समूह की कंपनी ने अडानी प्रॉपर्टीज को समूह की संपत्ति बेचने के लिए न्यायालय से मांगी मंजूरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) ने महाराष्ट्र में एम्बी वैली और लखनऊ में सहारा शहर समेत विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। इस याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। अधिवक्ता गौतम अवस्थी के माध्यम से दायर याचिका में " .. सहारा समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को छह सितंबर 2025 की 'टर्म शीट' में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने के लिए" अनुमति मांगी गई है।

सहारा समूह से संबंधित लंबित मामलों में दायर अंतरिम आवेदन में कहा गया कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित विभिन्न आदेशों के अनुसरण में तथा विभिन्न आदेशों के माध्यम से इस न्यायालय की अनुमति प्राप्त करने के बाद, एसआईसीसीएल और सहारा समूह बड़ी कठिनाई से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए है। इससे हासिल राशि को बाजार नियामक सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया गया। इसमें कहा गया कि "कुल 24, 030 करोड़ रुपए की मूल राशि में से, सहारा समूह ने अपनी चल एवं अचल संपत्तियों की बिक्री/परिसमापन के माध्यम से लगभग 16, 000 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की है और उसे सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया है।"

प्रतिष्ठित ब्रोकरेज कंपनियों की सेवाएं लेने के बावजूद सहारा समूह की संपत्तियों को बेचने में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की असमर्थता की ओर इशारा करते हुए एसआईसीसीएल ने कहा कि सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा की गई पूरी धनराशि आवेदक एवं सहारा समूह के प्रयासों से और बड़ी मुश्किल से जमा की गई थी। एसआईसीसीएल ने कहा कि नवंबर 2023 में सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय का निधन होने के बाद समूह ने अपना एकमात्र निर्णयकर्ता खो दिया है जो अब तक समूह की ओर से सभी निर्णय ले रहा था।

इसमें कहा गया, "दिवंगत सुब्रत रॉय के परिवार के सदस्य सहारा समूह के दैनिक व्यावसायिक संचालन एवं प्रबंधन में शामिल नहीं थे। हालांकि, निवेशकों के हितों की रक्षा हेतु परिवार के सदस्यों की इच्छा को ध्यान में रखते हुए सहारा समूह ने निर्णय लिया है कि उसकी संपत्तियों को अधिकतम मूल्य पर और शीघ्रता से बेचा जाए ताकि इस न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का पालन किया जा सके, सहारा समूह के दायित्वों का निर्वहन किया जा सके और वर्तमान अवमानना कार्यवाही को समाप्त किया जा सके।"

सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को आरबीआई का डिप्टी गवर्नर किया नियुक्त

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को तीन साल के कार्यकाल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। मुर्मू, एम. राजेश्वर राव का स्थान लेंगे जिनका विस्तारित कार्यकाल आठ अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल नौ अक्टूबर या उसके बाद पद ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष का होगा। मुर्मू वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में कार्यकारी निदेशक हैं और पर्यवेक्षण विभाग का काम देखते हैं।

आरबीआई अधिनियम 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए। दो अपने ही 'रैंक' से, एक वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र से और एक अर्थशास्त्री जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा। अन्य तीन डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता हैं।

गौरतलब है कि एम. राजेश्वर राव को पहली बार सितंबर 2020 में तीन साल की अवधि के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। 2023 में उन्हें एक साल का विस्तार मिला था। इसके बाद 2024 में एक और विस्तार मिला। इस प्रकार आठ अक्टूबर को राव के कार्यकाल के पांच वर्ष पूरे हो जाएंगे।

दिलजीत दोसांझ ने एमी में मचाया धमाल आलिया भट्ट बोलीं- 'आप बहुत चमक रहे हैं!'

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने लोकप्रिय पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ को प्रशंसित फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में उनके प्रदर्शन के लिए 'इंटरनेशनल एमी पुरस्कार' के लिए नामांकित होने पर बधाई दी। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दोसांझ ने पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की भूमिका निभाई थी, जिनकी 1988 में 27 साल की उम्र में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इस फिल्म में अभिनेत्री परिणिति चोपड़ा ने भी अभिनय किया है। दोसांझ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी के लिए चुना गया है। साथ ही इस फिल्म को टीवी फिल्म/मिनी-सीरीज श्रेणी में भी नामांकित किया गया है। वर्ष 2016 की फिल्म 'उड़ता पंजाब' में दिलजीत दोसांझ के साथ काम कर चुकीं भट्ट ने शनिवार को 'इंस्टाग्राम' पर कहा, "दिलजीत दोसांझ और इस रत्न में शामिल टीम को बधाई! वाकई बहुत चमक रहे हैं।"

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में, दोसांझ का मुकाबला 'लुडविग' (ब्रिटेन) के लिए डेविड मिशेल, 'यो, एडिक्टो' (स्पेन) के लिए ओरियोल प्ला और 'वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सोलिट्यूड' (कोलंबिया) के लिए डिएगो वास्केज से होगा। फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' अप्रैल 2024 में रिलीज हुई थी और दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई थी और इसके गीतों को भी सराहना मिली थी।

सेलेना गोमेज ने 33 की उम्र में बेनी ब्लैंको संग रचाई शादी, तस्वीरें हुईं वायरल

हॉलीवुड सिंगर और एक्ट्रेस सेलेना गोमेज ने शनिवार को अमेरिकन रिकॉर्ड प्रोड्यूसर और सॉन्ग राइटर बेनी ब्लैंको से शादी कर ली। सेलेना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यार भरी पोस्ट के साथ इस खबर की घोषणा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो में, यह कपल एक लॉन में तस्वीरों के लिए पोज देते हुए एक-दूसरे को किस और गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। काफी समय से सेलेना अपनी शादी को लेकर चर्चा में थी। इतना ही नहीं, सगाई के बाद उन्होंने अपने दोस्तों के साथ बैचलरेट पार्टी एन्जॉय की और प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन के बाद में ही उनका वेडिंग फंक्शन सेलिब्रेट किया।

सेलेना गोमेज ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रैंड बेनी ब्लैंको से कल यानी के 27 सितंबर 2025 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी रचाई है। पहले ही उन्होंने अनाउंस कर दिया था कि वह सितंबर महीने में बेनी के साथ शादी करेंगी और अब वह रियल लाइफ में बेनी ब्लैंको की मिसेस बन गई हैं।

बता दें कि, सेलेना और बेनी के वेडिंग लुक में दोनों ही अपने-अपने आउटफिट में कमाल के लग रहे हैं। ब्राइड ने बैकलेस व्हाइट लॉन्ग गाउन पहना था जिसे उन्होंने मिनिमल डायमंड इयररिंग्स से स्टाइल कर रखा था। खुले बालों में उनकी प्यारी से मुस्कान खूबसूरती बिखेर रही है। बेनी ब्लैक टक्सीडो में हैंडसम लग रहे थें।

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, बेनी ने कहा, 'रियल लाइफ में मेरी पत्नी।' एक प्रशंसक ने कहा, 'आपके लिए बहुत खुश हूं!! बधाई हो, क्वीन; आप दुनिया भर के प्यार की हकदार हैं!' एक व्यक्ति ने लिखा, 'आप दोनों के लिए बहुत खुश हूं। बधाई!'

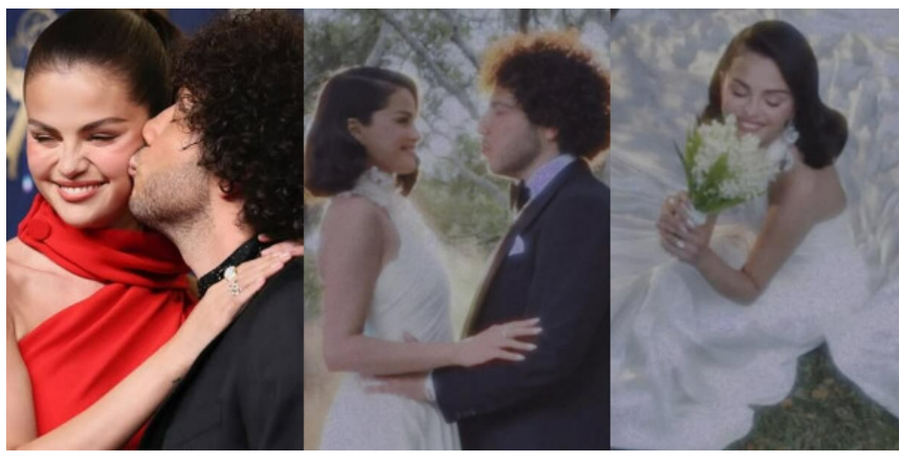

तटीय सुरक्षा चुनौती : राजनाथ सिंह बोले- आत्मनिर्भर भारत ही देगा समाधान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता के बीच समुद्री चुनौतियों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने शरणार्थियों की आमद और अवैध प्रवासियों को बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए एक चुनौती बताया। उन्होंने कहा, 'भारत अपनी भूमि सीमाओं के संबंध में कई चुनौतियों का सामना करता रहता है। हमारे पड़ोसी देशों की हरकतें किसी से छिपी नहीं हैं। एक और चीज जो हम देख सकते हैं, वह है हमारे आसपास के देशों में अस्थिरता। ये चुनौतियाँ हमारे समुद्री क्षेत्र, विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी को प्रभावित करती हैं।'

रक्षा मंत्री ने कहा कि शरणार्थियों की आमद, अवैध प्रवासी और समुद्री गतिविधियाँ हमारी तटीय सुरक्षा को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। हमें खुद को केवल नियमित निगरानी तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि हमें दोहरे मोर्चे पर नज़र रखनी होगी। समुद्री सुरक्षा केवल हमारे जहाजों तक सीमित नहीं है; बल्कि, यहाँ भू-राजनीतिक जागरूकता और तैयारी आवश्यक है। केंद्र के आत्मनिर्भरता के आह्वान को दोहराते हुए, उन्होंने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल के जहाजों की सर्विसिंग और मरम्मत भारत में की जा रही है, और तटरक्षक बल का 90 प्रतिशत बजट स्वदेशी संपत्तियों के विकास में जाता है।

उन्होंने सम्मेलन में कहा कि सरकार आपको अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए काम कर रही है। हम मशीन और मानव शक्ति, दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम भारतीय तटरक्षक बल को सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। मैं मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत तटरक्षक बल के प्रयासों से संतुष्ट हूँ। आज, भारतीय तटरक्षक बल के जहाजों की सर्विसिंग और मरम्मत भारत में ही की जा रही है। तटरक्षक बल का 90 प्रतिशत बजट स्वदेशी संपत्तियों के विकास में जाता है। केवल रक्षा क्षेत्र में ही नहीं, भारत आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है।

तीन दिवसीय सम्मेलन 28 सितंबर को नई दिल्ली स्थित तटरक्षक मुख्यालय में शुरू हुआ। आईसीजी के अनुसार, यह सम्मेलन समुद्री सुरक्षा, संरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और एक सुरक्षित, स्थिर और लचीले समुद्री क्षेत्र के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है।

सिद्धारमैया सरकार पर ठेकेदारों का बड़ा आरोप बोले- कोई लाभ नहीं, कमीशन दोगुना हुआ

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार में कमीशन की दरें दोगुनी हो गई हैं और राज्य भर के ठेकेदारों को प्रभावित करने वाले लंबित बकाया और अनसुलझे मुद्दों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एसोसिएशन ने कहा कि सरकार पर 33, 000 करोड़ रुपये का बकाया है। पत्र में लिखा है, हमें आपकी सरकार से किसी भी तरह का लाभ नहीं मिला है। पिछले दो सालों से इन समस्याओं और बकाया राशि के समाधान के लिए कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। एसोसिएशन ने लिखा हर बार हमें शांत किया गया और अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए गए। आपके सम्मान और समस्याओं के समाधान के विश्वास के कारण, हमारे ठेकेदार आपके आश्वासनों पर भरोसा करते हुए धैर्य बनाए रखते रहे। लेकिन अभी तक हमें आपकी सरकार से कोई लाभ नहीं मिला है।

पत्र में यह भी कहा गया है कि पिछली सरकार की तुलना में कुछ विभागों में कमीशन की दरें

दोगुनी हो गई हैं। एसोसिएशन ने कई आरोप लगाए, जिनमें ठेकेदारों के माध्यम से काम करवाने वाले आठ सरकारी विभागों द्वारा लंबित बिलों का भुगतान न करना भी शामिल है। संबंधित मंत्रियों और सचिवों के साथ बैठकों के बावजूद, कोई नतीजा नहीं निकला है। पत्र में विभागों पर वरिष्ठता और पारदर्शिता कानूनों की अनदेखी करने, अपना अलग फॉर्मूला बनाने और एक विशेष अनुबंध लेखाकार (एओसी) के तहत हर तीन महीने में एक बार लंबित बकाया राशि का केवल 15 से 20 प्रतिशत ही जारी करने का आरोप लगाया गया है। पिछले दो वर्षों में वित्त विभाग के मुख्य सचिव को बार-बार याद दिलाने के बावजूद, ठेकेदारों को 2017-18, 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का बकाया भी नहीं मिला है।

एसोसिएशन ने आगे आरोप लगाया कि खान एवं भूविज्ञान विभाग ने ठेकेदारों के वाहनों पर अवैज्ञानिक जुर्माना लगाया है, जिसमें खनिज प्रेषण परमिट (एमडीपी) जमा न करने पर रॉयल्टी राशि का पाँच गुना जुर्माना वसूला जा रहा है, जबकि पूर्व लोक निर्माण विभाग सचिव ने आश्वासन दिया था कि सरकार अंतर का भुगतान करेगी। अतिरिक्त शिकायतों में कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास लिमिटेड (केआरआईडीएल) और अन्य संस्थाओं में व्याप्त अनुचित प्रथाओं को उजागर किया गया है, जहाँ कथित तौर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों के अनुयायियों को कार्य आवंटित किए जाते हैं, जो फिर वरिष्ठ पंजीकृत ठेकेदारों से धन की मांग करते हैं, जिससे उप-अनुबंधित परियोजनाओं का प्रबंधन और गुणवत्ता बनाए रखना मुश्किल हो जाता है।

राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने के लिए भाजपा नेता पर मामला दर्ज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पुलिस ने भाजपा नेता प्रिंटू महादेवन के खिलाफ टेलीविजन बहस के दौरान उनके उस कथित बयान के लिये सोमवार को मामला दर्ज किया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर गोलियां चलाई जाएंगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सचिव श्रीकुमार सी.सी. की शिकायत के आधार पर पेरामंगलम पुलिस ने यह मामला दर्ज किया। एबीवीपी के पूर्व नेता महादेवन ने 26 सितंबर को एक मलयालम समाचार चैनल पर एक बहस के दौरान बांग्लादेश और नेपाल में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा करते हुए यह टिप्पणी की थी।

उन्होंने कथित तौर पर कहा कि भारत में इस तरह के विरोध प्रदर्शन संभव नहीं हैं, क्योंकि यहां के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी की ऐसी कोई इच्छा है, तो ''गोली उनके सीने में दाग दी जाएगी।''

प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं का हवाला दिया गया है, जिनमें धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना), धारा 353 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), और धारा 351(2) (आपराधिक धमकी) शामिल हैं।

इस टिप्पणी के बाद, कांग्रेस

कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पूरे केरल में महादेवन और भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा कि यह ''धमकी केवल किसी छोटे पदाधिकारी का लापरवाही भरा बयान मात्र नहीं'' है।

उन्होंने चेतावनी दी कि त्वरित, निर्णायक और सार्वजनिक रूप से कार्रवाई न करने को मिलीभगत माना जाएगा। उन्होंने कहा, ''देश राज्य पुलिस के माध्यम से तत्काल और अनुकरणीय कानूनी कार्रवाई की मांग करता है, ताकि न्याय शीघ्र, स्पष्ट और कठोर हो।'' सांसद शफी परंबिल और रमेश चेन्निथला सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी महादेवन की टिप्पणी की निंदा की और पुलिस कार्रवाई का आग्रह किया।

बारिश के कहर की असली तस्वीर पांच अक्टूबर तक सामने आएगी : मंत्री बावनकुले

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को संकेत दिया कि राज्य में अत्यधिक बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को दिवाली से पहले मुआवजा मिल सकता है। बावनकुले ने यहां संवाददाताओं से कहा, बाढ़ से हुए नुकसान की वास्तविक तस्वीर पांच अक्टूबर तक सामने आएगी। हम दिवाली से पहले किसानों को वित्तीय सहायता देने की कोशिश करेंगे। किसानों को सहायता देने के लिए पर्याप्त प्रशासनिक प्रावधान हैं।''

दिवाली का त्योहार 18 अक्टूबर

को धनतेरस से शुरू होकर 23 अक्टूबर को भाई दूज तक चलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानदंडों के तहत मुआवज़ा पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि किसानों ने अधिक सहायता की मांग की है। बावनकुले ने ज़ोर देकर कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगी कि किसानों को एनडीआरएफ के तहत निर्धारित राशि से ज़्यादा मिले। उन्होंने कहा, ''मेरी राय है कि सभी ज़िला संरक्षक मंत्रियों को जिलाधिकारियों के साथ बैठक करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राजस्व अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गहन सर्वेक्षण करें। इसके लिए सचेत प्रयास होना चाहिए। अगर गलत जानकारी दर्ज की गई तो इसका किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

बिहार को मिली 3 अमृत भारत समेत 7 नई ट्रेनों की सौगात, अश्विनी वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी

पटना **(एजेंसी)**। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए बिहार के लिए तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों और चार नई पैसेंजर ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। तीन अमृत भारत ट्रेनों में दरभंगा से अजमेर अमृत भारत एक्सप्रेस, मुज़फ़्फ़रपुर से हैदराबाद एक्सप्रेस और छपरा से दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें बिहार के 25 ज़िलों को 62 स्टॉपेज के साथ जोड़ेंगी, जिससे लोगों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

बिहार में रेलवे क्षेत्र में हुए विकास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बिहार का रेलवे बजट पहले केवल 1000 करोड़ रुपये हुआ करता था, जो अब बढ़कर 10, 000 करोड़ रुपये हो गया है। रेलवे पूरी तरह से विद्युतीकृत है, 1899 किलोमीटर नई पटरियाँ बिछाई गई हैं और कई अन्य परियोजनाएँ चल रही हैं। रेल मंत्री ने आगे कहा, 'वर्तमान में, बिहार में 28 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, जो 42 स्टॉपेज के साथ 25 जिलों को जोड़ती हैं। अमृत भारत परियोजना के तहत, 28 जिलों को कवर किया जाएगा, जिसमें 62 विशेष स्टॉपेज होंगे। बिहार में नमो भारत ट्रेन की एक सेवा का भी उद्घाटन किया गया है।'

आगामी दिवाली और छठ पूजा की तैयारियों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा, 'पिछले साल, छठ और दिवाली के दौरान, रिकॉर्ड 7, 500 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई गईं। इस बार, 12, 500 से अधिक विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई है।' उन्होंने पटनावासियों को राज्य में नई ट्रेनें मिलने पर बधाई दी और कहा, 'प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में, बिहार के लिए कई नई ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। दरभंगा से अजमेर अमृत भारत एक्सप्रेस, मुजफ्फरपुर से हैदराबाद एक्सप्रेस, छपरा से दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और चार नई पैसेंजर ट्रेनें।'

इजराइल में भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि

हाइफा मेयर ने कहा- 'अंग्रेज नहीं, भारतीय थे आज़ादी के हीरो, स्कूलों में सुधारा जाएगा इतिहास'

तेल अवीव **(एजेंसी)**। इजराइल के शहर हाइफा ने सोमवार को शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मेयर ने कहा कि शहर के स्कूलों की इतिहास की किताबों में यह सुधार किया जा रहा है कि शहर को ओटोमन शासन से आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय सैनिक थे। हाइफा के मेयर योना याहव ने कहा, ''मैं इसी शहर में पैदा हुआ और यहीं से स्नातक किया। हमें लगातार यही बताया जाता था कि इस शहर को अंग्रेजों ने आजाद कराया था, जब तक कि एक दिन हिस्टोरिकल सोसाइटी के किसी व्यक्ति ने मेरे दरवाजे पर दस्तक नहीं दी और कहा कि उन्होंने गहन शोध किया है और पाया है कि अंग्रेज़ों ने नहीं, बल्कि भारतीयों ने इस शहर को (ओटोमन शासन से) आजाद कराया था।''

उन्होंने यह टिप्पणी शहीद सैनिकों के भारतीय कब्रिस्तान में उनकी बहादुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए की। याहाव ने कहा, ''हर स्कूल में, हम किताबों में बदलाव कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय थे।'' प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, भालों और तलवारों से लैस भारतीय घुड़सवार रेजिमेंट ने तमाम मुश्किलों के बावजूद माउंट कार्मेल की चट्टानी ढलानों से ओटोमन की सेनाओं को खदेड़कर शहर को आजाद कराया था। अधिकांश युद्ध इतिहासकार इसे ''इतिहास का अंतिम महान घुड़सवार अभियान'' मानते हैं।

भारतीय सेना हर साल 23 सितंबर को हाइफा दिवस के रूप में मनाती है ताकि तीन बहादुर भारतीय घुड़सवार रेजिमेंट - मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर लांसर्स को श्रद्धांजलि दी जा सके, जिन्होंने 1918 में इसी दिन 15वीं इंपीरियल सर्विस कैवलरी ब्रिगेड की एक जबरदस्त घुड़सवार कार्रवाई के बाद हाइफा को आज़ाद कराने में मदद की थी। भारतीय मिशन और हाइफा नगरपालिका द्वारा यहां भारतीय सैनिकों के कब्रिस्तान में हर साल बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है।

पीओके में गृह युद्ध जैसे हालात पाक सरकार के खिलाफ खुली बगावत!

जनता ने पुलिस और फ्रंटियर कॉर्प्स को पीटा और लूटा

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर (पीओके) में गृह युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। लोग अब खुलकर सड़कों पर उतर आए हैं और पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और पैरामिलिट्री फ़ोर्स फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी पर हमला किया, उनका लाठी-डंडा, हेलमेट और शील्ड छीन लिया। मीरपुर, मुज़फ़्फ़राबाद और रावलकोट में दुकानें बंद हैं। कश्मीरी व्यापारी और आम जनता आवामी एक्शन कमेटी के बैनर तले विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगें हैं: आटा, चावल और दाल पर सरकारी सब्सिडी मिले, क्योंकि पीओके में चावल 301 रुपये किलो और आटा 110 रुपये किलो बिक रहा है। बिजली और संसाधनों का स्थानीय लाभ, क्योंकि बिजली के 60इ हिस्से को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत और अन्य हिस्सों में भेज दिया जाता है।

मज़बूत सुरक्षा के बावजूद कश्मीरियों ने फ्रंटियर कॉर्प्स के जवानों पर हमला किया और उनका सामान लूटा । इसके जवाब में पुलिस और पैरामिलिट्री ने प्रदर्शनकारियों पर पथराव किया।

पीओके में बड़ी यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज बनाने के बजाय पाकिस्तान ने आतंक के कैम्प बनाए हैं। सिर्फ 6 सरकारी कॉलेज और 2 मेडिकल कॉलेज हैं। वहीं 12 से अधिक बड़े आतंक प्रशिक्षण कैम्प और 20 से अधिक मध्यम कैम्प सक्रिय हैं। साथ ही, पाकिस्तान पीओके की विधायिका में 12 नामांकित सदस्यों के जरिए स्थानीय आवाज़ दबाता है और अपने राजनीतिक हित साधता है।

तुलना करें भारत के प्रीमियम बासमती चावल, आटा और दाल से तो यह स्थिति और भी हताशाजनक लगती है। पीओके में कश्मीरियों का यह विरोध न केवल महंगाई और राजनीतिक भेदभाव के खिलाफ है, बल्कि यह पाकिस्तान के कब्ज़े और शोषण के खिलाफ एक खुला विद्रोह है।

ईरान का सख्त कदम : एक और इजराइली को दी फांसी, 9 इजराइली लोगों को दे चुका सजा-ए-मौत

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को फांसी दे दी है। देश में पिछले कुछ दशकों में इस साल सबसे अधिक संख्या में लोगों को फांसी दी गई है। ईरान ने बताया कि जिस व्यक्ति को फांसी दी गई है, उसकी पहचान बहमन चूबियासल के रूप में हुई है। चूबियासल को फांसी ऐसे समय में दी गई है, जब ईरान ने अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने की कसम खाई है, क्योंकि बीते सप्ताहांत संयुक्त राष्ट्र ने तेहरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर फिर से प्रतिबंध लगा दिए हैं। ईरान ने चूबियासल पर इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के अधिकारियों से संबंध होने का आरोप लगाया था।

ईरान की मिजान समाचार एजेंसी (न्यायपालिका का आधिकारिक मुखपत्र) ने कहा कि चूबियासल ने 'संवेदनशील दूरसंचार परियोजनाओं' पर काम किया और 'इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात के रास्तों' के बारे में जानकारी साझा की। जून में इजराइल के साथ हुए युद्ध के बाद से ईरान ने जासूसी के आरोप में नौ लोगों को फांसी दी है। इस युद्ध में कई सैन्य कमांडरों सहित लगभग 1, 100 लोग मारे गए थे।

सितंबर की शुरुआत में ईरान ने बाबक शाहबाजी को फांसी दे दी थी, जिस पर इजराइल के लिए जासूसी करने का आरोप था। कार्यकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि शाहबाजी को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को कीव के लिए लड़ने की पेशकश करने वाला पत्र लिखने के बाद यातना देकर झूठा कबूलनामा दिलवाया गया था।

चीन में भी गूंजी तमिलनाडु भगदड़ की पीड़ा

बीजिंग ने 41 मौतों पर जताया दुख कहा-हमारी संवेदना पीड़ितों साथ

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन ने तमिलनाडु में अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति संवेदना जतायी बीजिंग, 29 सितंबर (भाषा) चीन ने तमिलनाडु के करूर शहर में अभिनेता एवं नेता विजय की रैली में मची भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति सोमवार को गहरी संवेदना जतायी। शनिवार को हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और और कई अन्य घायल हो गए थे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक प्रेसवार्ता में एक सवाल के उत्तर में कहा, ''हम पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं तथा उनके परिजन और घायलों के प्रति भी हमारी संवेदना है।'' उन्होंने कहा कि भारत स्थित चीनी दूतावास ने संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी भी चीनी नागरिक के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

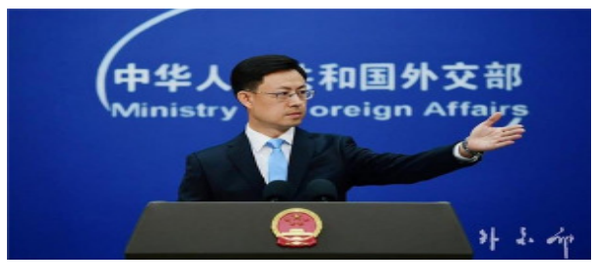

भारत से हारने के बाद फूटा पाकिस्तानियों का गुस्सा

बोले- इंडिया आई लव यू हमारे खिलाड़ियों को तोपों के सामने बांधकर...

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 के रोमांचक फाइनल में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। भारत में जश्न का माहौल है, जबकि पाकिस्तान में हार के बाद गुस्से और बौखलाहट का सैलाब उमड़ पड़ा। भारतीय खिलाड़ियों की शानदार खेलकुशलता ने पाकिस्तान की टीम और उसके समर्थकों को पूरी तरह शर्मसार कर दिया।यूट्यूबर शोएब चौधरी ने मैच के बाद पाकिस्तानी फैंस से बातचीत की। अधिकांश फैंस हार से नाराज थे और हारिस रऊफ व इँ पर भड़कते हुए आरोप लगाए।

एक फैन ने अपने खिलाड़ियों को गालियां निकालते हुए कहा कि इंडिया आई लव यू बाप बाप ही होता है इनको जूते मारने चाहिए। एक अन्य पाक फैन ने कहा, 'पाकिस्तान का भारत के हाथों हारना आदत बन गई है। इन्हें तोपों के सामने बांधकर सलामी देनी चाहिए।'कुछ ने तो टीम के स्वागत पर अंडे और टमाटर फेंकने की बात तक कही।कई फैंस ने हारिस रऊफ की गेंदबाजी को कमजोर बताया। एक फैन ने कहा, 'रऊफ ने बिल्कुल भी पेशेवर गेंदबाजी नहीं दिखाई। अगर उन्होंने सही प्रदर्शन किया होता तो मैच जीत सकते थे।'

दूसरे फैन ने कहा, 'मैच एंटरटेनिंग था, लेकिन भारत ने दबाव में बेहतर खेल दिखाया।' पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज वसीम अकरम ने भी भारतीय खिलाड़ी तिलक वर्मा की तारीफ की। तिलक ने 41 गेंदों में अर्धशतक और अगले 12 गेंदों में 19 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और चार छक्के शामिल थे, जिनमें से एक आखिरी ओवर में भी लगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044
Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08
Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।